ज्येष्ठ शुक्ल - 4 ■ संवत 2082 ■ वर्ष - 12 ■ अंक - 300 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » शुक्रवार » 30-05-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 'ऑपरेशन सिंदूर' का राजनीतिकरण कर रहे हैं प्रधानमंत्री : ममता बनर्जी

6 जनसंचार का सशक्त माध्यम है हिन्दी पत्रकारिता

7 श्रीवल्ली अब मेरी दूसरी पहचान बन चुकी है : रश्मिका मंदाना

फर्स्ट टेक

कर्नाटक में कोविड-19 से संक्रमित व्यक्ति की मौत

बेंगलूरु/भाषा। कर्नाटक में बेलगावी जिले के एक अस्पताल में कोविड-19 से संक्रमित एक बुजुर्ग व्यक्ति की मौत हो गई। राज्य के स्वास्थ्य विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। कर्नाटक के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के प्रधान सचिव हर्ष गुप्ता ने मौत की पुष्टि की है। राज्य में हाल के दिनों में कोविड-19 से संक्रमित किसी बुजुर्ग व्यक्ति की मौत का यह दूसरा मामला है। स्वास्थ्य विभाग के सूत्रों के अनुसार बेलगावी के बेनकनहल्ली गांव के 70 वर्षीय मरीज की बुधवार देर रात मौत हो गई, वह कोविड-19 से संक्रमित थे। वह कथित तौर पर वृद्धावस्था से संबंधित बीमारियों से पीड़ित थे और उन्हें इलाज के लिए बेलगावी इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

दक्षिण कश्मीर के पुंछ में लश्कर के दो 'हाइब्रिड' आतंकी गिरफ्तार

श्रीनगर/भाषा। जम्मू कश्मीर के शोपियां जिले में सुरक्षा बलों ने लश्कर-ए-तैयबा के दो ''हाइब्रिड आतंकवादियों'' को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने कहा कि यह ''बड़ी सफलता'' है। ''हाइब्रिड आतंकवादी'' वो होते हैं जो आतंकवादी के रूप में सूचीबद्ध नहीं होते हैं लेकिन वे इतने कट्टरपंथी हो चुके होते हैं कि आतंकवादी हमलों को अंजाम दे सकते हैं। ये लोग आम लोगों के बीच रहते हैं और जब भी उन्हें मौका मिलता है हमले को अंजाम देकर फिर से सामान्य जीवन बिताने लगते हैं।

वॉशिंगटन में एक पार्क में सात लोगों को गोली मारी गई, तीन की हालत गंभीर

लेकवुड (अमेरिका)/एपी। वाशिंगटन में टैकोमा उपनगर के एक पार्क में बुधवार शाम सात लोगों को गोली मार दी गई, जिनमें से तीन की हालत गंभीर है। पुलिस ने यह जानकारी दी। लेकवुड के पुलिस सार्जेंट चार्ल्स पोर्श ने 'कोमो-टीवी' को बताया कि अधिकारियों को रात करीब आठ बजे लेकवुड के हैरी टॉड पार्क में गोलीबारी की सूचना मिली उन्होंने बताया कि तत्काल पुलिस वहां पहुंची और पांच लोगों को अस्पताल पहुंचाया जबकि दो अन्य खुद ही अस्पताल पहुंच गए। 'सिएटल टाइम्स' ने अपनी खबर में पोर्श के हवाले से बताया कि तीन लोगों की हालत गंभीर है। उन्होंने कहा कि अभी यह पता नहीं चल पाया है कि गोलीबारी में कितने लोग शामिल थे ओर गोलियां किस वजह से चलाई गईं। घटना के संबंध में बुधवार तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई थी।

सूर्यास्त	सूर्योदय
30-05-2025 6:31 बजे	31-05-2025 5:41 बजे

BSE	NSE
81,633.02 (+320.70)	24,833.60 (+81.15)

सोना	चांदी
10,098 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	111,000 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

बाबा रे बाबा

पढ़ लिख कर वो बेकार फिरा,
बस चना-चबेना ही चाबा।
ना भागा कभी लोन लेकर,
ना माल किसीका भी दाबा।
बेचूं क्या चाय पकौड़े तल,
या खोलूं इक सस्ता ढाबा।
उलझन सुलझी जब बन बैठा,
बाबू की जगहां वो बाबा।।

वह दिन दूर नहीं जब पीओके के लोग खुद भारत लौटेंगे : राजनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बृहस्पतिवार को कहा कि पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) के लोग भारतीय परिवार का हिस्सा हैं और वह दिन दूर नहीं जब वे अंतरात्मा की आवाज सुनकर खुद भारत की मुख्यधारा में लौट आएंगे।

पाकिस्तान के प्रति भारत के नीतिगत दृष्टिकोण को रेखांकित करते हुए सिंह ने कहा कि भारत ने आतंकवाद के प्रति अपनी रणनीति और प्रतिक्रिया को ''नए सिरे से तैयार और परिभाषित'' किया है तथा पाकिस्तान के साथ संभावित वार्ता केवल आतंकवाद और पीओके के मुद्दे पर ही होगी।

भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के 'बिजनेस समिट' में अपने संबोधन में सिंह ने कहा कि रक्षा क्षेत्र में 'मेक-इन-इंडिया' देश की राष्ट्रीय सुरक्षा में एक आवश्यक घटक रहा है और इसने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान आतंकवाद के खिलाफ भारत की प्रभावी कार्रवाई में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

सिंह ने पीओके के लोगों तक पहुंचने का व्यापक प्रयास किया और कहा कि भारत उन्हें अपने ''अपने'' परिवार का हिस्सा मानता है। उन्होंने कहा, ''मेरा मानना है कि पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर के लोग हमारे अपने हैं, हमारे परिवार का हिस्सा हैं।'' उन्होंने कहा, हम 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' के संकल्प के प्रति प्रतिबद्ध हैं और हमें पूरा विश्वास है कि हमारे जो भाई आज भौगोलिक और राजनीतिक रूप से हमसे अलग हैं, वे भी किसी न किसी दिन अपनी अंतरात्मा की आवाज सुनकर, आत्मसम्मान के साथ भारत की मुख्यधारा में लौट आएंगे।

सिंह ने कहा कि पीओके के अधिकतर लोग भारत के साथ ''गहरा जुड़ाव'' महसूस करते हैं और केवल कुछ ही लोग ''गुमराह'' हुए हैं। उन्होंने कहा, ''पीओके में रहने वाले हमारे भाई-बहनों की स्थिति वीर योद्धा महाराणा प्रताप के छोटे भाई शक्ति सिंह के समान है।''

भारत में आतंक फैलाने वालों को करारा जवाब था 'ऑपरेशन सिंदूर'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ भारत ने मुंहतोड़ जवाब दिया और पाकिस्तान में आतंकवादी बुनियादी ढांचे और कई 'एयरबेस' को नष्ट कर दिया।

■ प्रधानमंत्री ने कई बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का उद्घाटन किया और कई अन्य की आधारशिला रखी।

गंगटोक/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को कहा कि पिछले महीने जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुआ आतंकी हमला भारत की आत्मा और एकता पर हमला था और इसके बाद चलाया गया 'ऑपरेशन सिंदूर' आतंकवादियों के लिए एक ''निर्णायक जवाब'' था। उन्होंने कहा कि देश आतंकवाद के खिलाफ अपनी लड़ाई में एकजुट है। उन्होंने कहा कि भारत ने मुंहतोड़ जवाब दिया और पाकिस्तान में आतंकवादी बुनियादी ढांचे और कई 'एयरबेस' को नष्ट कर दिया।

पहलगाम हमले को भारत में धार्मिक आधार पर लोगों को बांटने का ''जानबूझकर किया गया प्रयास'' बताते हुए मोदी ने कहा, ''हमने स्पष्ट संदेश दिया है कि आतंकी हमले के बावजूद भारत एकजुट है, जिसने हमारी कुछ बहनों के सिंदूर मिटा दिए।''

पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले में 26 लोग मारे गए, जिनमें से ज्यादातर पर्यटक थे। आतंकवादियों ने कथित तौर पर पीड़ितों का धर्म पूछने के बाद उनकी हत्या कर दी थी। इस घटना से पूरा देश शोकाकुल और आक्रोशित हो गया था।

सिक्किम की स्थापना के 50 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में गंगटोक के पलजोर स्टेडियम में आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि सिक्किम ''राष्ट्र का गौरव'' है और यहां के लोग लोकतंत्र में विश्वास करते हैं।

प्रधानमंत्री ने खेद जताते हुए कहा कि वह राज्य के स्थापना दिवस समारोह में हिस्सा लेना चाहते थे लेकिन खराब मौसम के कारण ऐसा संभव नहीं हो सका। हालांकि उन्होंने आश्वस्त किया कि वह भविष्य में राज्य की यात्रा जरूर करेंगे।

प्रधानमंत्री ने पश्चिम बंगाल के बागडोगरा से डिजिटल माध्यम से अपने संबोधन में कहा, ''पहलगाम हमले के मद्देनजर आतंकवादियों के खिलाफ चलाया गया 'ऑपरेशन सिंदूर' भारत में आतंक फैलाने वालों को करारा जवाब था। पहलगाम में आतंकवादियों ने जो किया वह मानवता पर हमला था और अब हम आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में एकजुट हैं।''

प्रधानमंत्री ने कई बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का उद्घाटन किया और कई अन्य की आधारशिला रखी।

मोदी द्वारा उद्घाटन की गई

जाति जनगणना एमआरआई की तरह, यह समस्या का स्रोत नहीं हो सकती : धनखड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने बृहस्पतिवार को कहा कि आगामी जनगणना में जाति गणना सामाजिक न्याय लाने के लिए एक परिवर्तनकारी कदम होगी। उन्होंने साथ ही इस बात को खारिज कर दिया कि इससे समाज में समस्याएं पैदा हो सकती हैं। उन्होंने कहा कि विचारपूर्वक एकत्रित जातिगत आंकड़ा एकीकरण का माध्यम होगा, जैसे शरीर की एमआरआई होती है। उपराष्ट्रपति ने यह भी कहा कि ठोस आंकड़ों के बिना नीतिगत योजना बनाना अंधेरे में सर्जरी करने जैसा है। भारतीय सांख्यिकी सेवा (आईआईएस) के प्रशिक्षु अधिकारियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि जाति गणना एक परिवर्तनकारी और बड़ा बदलाव लाने वाला कदम होगी। उन्होंने कहा कि यह सामाजिक न्याय लाने में मदद करेगी और आंखें खोलने वाला कदम होगी।

एक आधिकारिक विज्ञप्ति में धनखड़ के हवाले से कहा गया, ''यह लोगों की आकांक्षाओं को संतुष्टि देगी। यह सरकार का एक व्यापक निर्णय है।''

धनखड़ ने कहा कि जातिगत आंकड़े, यदि सोच-समझकर एकत्र किए जाएं, तो वे किसी भी प्रकार से विभाजनकारी नहीं हैं, बल्कि वे एकीकरण के उपकरण बन सकते हैं। उन्होंने कहा, ''कुछ लोग इस पर बहस कर रहे हैं, लेकिन हम परिपक्व समाज हैं। किसी जानकारी को इकट्ठा करना समस्या कैसे हो सकता है? यह तो अपने शरीर की एमआरआई कराने जैसा है- तभी तो आपको अपने बारे में जानकारी मिलती है। इस प्रक्रिया से हम संविधान में निहित समानता जैसे अमूर्त संकल्पों को मापनीय और जवाबदेह नीतिगत परिणामों में परिवर्तित कर सकते हैं।''

धनखड़ ने दोहराया कि भारत का विकसित राष्ट्र बनने का संकल्प केवल आकांक्षा नहीं, बल्कि साक्ष्य-आधारित योजना पर आधारित है। उन्होंने कहा, ''विकसित भारत का मार्ग आंकड़ों के आधार पर साक्ष्य-आधारित मील के पत्थरों से चिह्नित है। हमें ऐसा राष्ट्र बनाना है जो अनुभवजन्य रूप से सोचता हो और ठोस प्रमाणों के आधार पर आगे बढ़े।''

कांग्रेस एमएसपी के मुद्दे पर झूठ बोल किसानों को गुमराह कर रही है : शिवराज सिंह चौहान

नयी दिल्ली/भाषा। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बृहस्पतिवार को कहा कि नरेन्द्र मोदी सरकार ने फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी)के तहत किसानों को 23 लाख करोड़ रुपये दिए हैं, जबकि कांग्रेस के नेतृत्व वाली पूर्ववर्ती संप्रग सरकार ने अपने 10 साल के कार्यकाल में महज सात लाख करोड़ रुपये आवंटित किए थे।

उन्होंने विपक्षी दल पर झूठ बोलने और किसानों को गुमराह करने का आरोप लगाया।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता चौहान ने कांग्रेस पर 'निराधार' आरोप लगाने के लिए निशाना साधा।

मुख्य विपक्षी दल ने केंद्र पर न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) के नाम पर किसानों को धोखा देने का आरोप लगाया था। कांग्रेस ने कहा था कि एमएसपी का मतलब अब 'मैक्सिमम सफरिंग फॉर प्रोड्यूसर्स' (उत्पादकों के लिए अधिकतम पीड़ा) हो गया है।

कांग्रेस महासचिव रणदीप सुरजेवाला ने कहा कि एमएसपी स्वामीनाथन आयोग द्वारा अनुशंसित 'लागत (सी2) प्लस 50 प्रतिशत' (लागत और 50 प्रतिशत मुनाफा) फार्मूले से काफी कम है।

वायुसेना प्रमुख ने रक्षा अधिग्रहण परियोजनाओं में देरी पर चिंता जताई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ वायुसेना प्रमुख ने अपने संबोधन में रक्षा परियोजनाओं के क्रियान्वयन में देरी पर दुख जताया। तेजस हल्के लड़ाकू विमान की आपूर्ति में हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड द्वारा की गई भारी देरी से वायुसेना परेशान है।

नयी दिल्ली/भाषा। वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल ए पी सिंह ने बृहस्पतिवार को 'ऑपरेशन सिंदूर' को ''राष्ट्रीय विजय'' करार दिया। साथ ही उन्होंने विभिन्न रक्षा अधिग्रहण परियोजनाओं के क्रियान्वयन में अत्यधिक देरी पर गंभीर चिंता जताई और इस मुद्दे को सुलझाने की वकालत की।

भारत और पाकिस्तान के बीच चार दिनों तक चले सैन्य संघर्ष के बाद अपनी पहली सार्वजनिक टिप्पणी में एयर चीफ मार्शल ने कहा कि ''एक भी परियोजना'' समय पर पूरी नहीं हुई है। उन्होंने हालांकि, सीआईआई बिजनेस समिट में अपनी टिप्पणी में परियोजनाओं का विशिष्ट विवरण नहीं दिया या उस अवधि का संदर्भ नहीं दिया कि परियोजनाओं में कब से हुई देरी भारतीय वायुसेना को प्रभावित कर रही है।

वायुसेना प्रमुख ने कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' ने भारतीय सशस्त्र बलों को ''स्पष्ट तौर पर अहसास'' करा दिया है कि ''हम किस ओर जा रहे हैं और हमें भविष्य में क्या चाहिए''।

एयर चीफ मार्शल सिंह ने 'ऑपरेशन सिंदूर' को राष्ट्रीय विजय करार देते हुए कहा कि सभी भारतीय बलों ने मिलकर बेहद पेशेवर तरीके से इसे अंजाम दिया। उन्होंने कहा, हम सत्य के मार्ग पर चल रहे थे। मुझे लगता है कि ईश्वर भी इसमें हमारे साथ था।

वायुसेना प्रमुख ने कहा, ''हमने जो ऑपरेशन सिंदूर चलाया, वह राष्ट्रीय विजय है। मैं हर भारतीय को धन्यवाद देता हूं। मुझे यकीन है कि हर भारतीय इस जीत की ओर देख रहा था।'' उन्होंने कहा, ''जैसा कई बार कहा जा चुका है कि यह एक ऐसा ऑपरेशन था जिसे सभी लोगों ने बहुत ही पेशेवर तरीके से अंजाम दिया, सभी एजेंसियां, सभी बल, हम सब एक साथ आए... और जब सत्य आपके साथ होता है, तो सब कुछ अपने आप हो जाता है।

वायुसेना प्रमुख ने अपने संबोधन में रक्षा परियोजनाओं के क्रियान्वयन में देरी पर दुख जताया। तेजस हल्के लड़ाकू विमान की आपूर्ति में हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड द्वारा की गई भारी देरी से वायुसेना परेशान है।

अमरनाथ यात्रा के लिए केंद्रीय पुलिस बलों की 580 कंपनियां होंगी तैनात

नई दिल्ली/भाषा। केंद्र सरकार ने जम्मू-कश्मीर में वार्षिक अमरनाथ यात्रा के लिए केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) की 580 कंपनियों की तैनाती का आदेश दिया है। इसके तहत करीब 42,000 जवान तैनात होंगे। आधिकारिक सूत्रों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। सूत्रों के मुताबिक, सीएपीएफ की 424 कंपनियों को केंद्र शासित प्रदेश में भेजा जा रहा है, जबकि 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान जम्मू-कश्मीर में भेजी गयीं शेष 80 कंपनियों को स्थानांतरित करके अमरनाथ यात्रा के मार्ग, तीर्थयात्रियों और श्रीनगर सहित अन्य क्षेत्रों की सुरक्षा में तैनात किया जाएगा। अधिकारियों ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि केंद्रीय गृह मंत्रालय ने इन सुरक्षा बलों को 'तुरंत' रवाना होने और जून के दूसरे सप्ताह तक जम्मू-कश्मीर में मोर्चा संभालने का निर्देश दिया है। अमरनाथ यात्रा तीन जुलाई से शुरू होकर नौ अगस्त को समाप्त होगी। सूत्रों के मुताबिक, तीर्थयात्रा के लिए सुरक्षा तैनाती योजना पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद पैदा हुई चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए तैयार की जा रही है।

'साहित्यिक परंपराओं की विविधता में भारतीयता की झलक महसूस होती है'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बृहस्पतिवार को कहा कि साहित्यिक परंपराओं की विविधता में भारतीयता की झलक महसूस की जाती है।

दो दिवसीय साहित्यिक सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि लगभग 140 करोड़ देशवासियों के बड़े परिवार में कई भाषाएं, अनेक बोलियां और साहित्यिक परंपराओं की असीम विविधता है।

मुर्मू ने कहा, ''लेकिन इस विविधता में भारतीयता की झलक महसूस की जाती है। भारतीयता की यह भावना हमारे देश के सामूहिक अवचेतन में भी गहराई से समाई हुई है। मैं देश की सभी भाषाओं और बोलियों को अपनी भाषा और बोली मानती हूं।''

राष्ट्रपति ने कहा कि वह देश की सभी भाषाओं और बोलियों को अपनी भाषा और बोली तथा सभी भाषाओं के साहित्य को अपना मानती हैं।

मुर्मू यहां राष्ट्रपति भवन सांस्कृतिक केंद्र में आयोजित सम्मेलन 'कितना बदल चुका है साहित्य?' का उद्घाटन करने के बाद बोल रही थीं।

इस अवसर पर राष्ट्रपति ने कहा कि विद्यार्थी जीवन से ही उनके मन में साहित्य और साहित्यकारों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता की भावना रही है। उन्होंने कहा, ''समय के साथ साहित्य के प्रति विशेष सम्मान की यह भावना और भी गहरी होती गई है।'' उन्होंने इस सम्मेलन के आयोजन के लिए संस्कृति मंत्रालय और साहित्य अकादमी की सराहना की। राष्ट्रपति ने कहा कि बदलते संदर्भों के बीच स्थायी मानवीय मूल्यों की स्थापना ही कालजयी साहित्य की पहचान है।

मुर्मू ने कहा, ''जैसे-जैसे समाज और सामाजिक संस्थाएं बदली हैं, चुनौतियां और प्राथमिकताएं बदली हैं, साहित्य में भी बदलाव देखने को मिले हैं। लेकिन साहित्य में कुछ ऐसा है जो सदियों बाद भी प्रासंगिक बना हुआ है। स्नेह और करुणा के साहित्यिक संदर्भ बदलते रहते हैं लेकिन उनकी भावनात्मक पृष्ठभूमि नहीं बदलती। साहित्य से प्रेरणा लेकर मनुष्य सपने देखता है और उन्हें साकार करता है।''

राष्ट्रपति ने कहा कि आज का साहित्य उपदेशात्मक नहीं हो सकता। उन्होंने कहा, ''आज का साहित्य उपदेशात्मक नहीं हो सकता। आज का साहित्य नैतिकता की किताब नहीं हो सकता। आज का लेखक एक सहयात्री की तरह चलता है, देखता है और दिखाता है; अनुभव करता है और दूसरों को अनुभव कराता है।''

राष्ट्रपति भवन की ओर से जारी एक बयान में कहा गया कि सम्मेलन में शुक्रवार को 'भारत का नारीवादी साहित्य: नयी राहें', 'साहित्य में परिवर्तन बनाम परिवर्तन का साहित्य', तथा 'वैश्विक परिप्रेक्ष्य में भारतीय साहित्य की नयी दिशाएं' जैसे विषयों पर विचार-विमर्श किया जाएगा।

सम्मेलन का समापन देवी अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती की गाथा के साथ होगा।

भारत के नवाचार-आधारित आर्थिक विकास के लिए नियमों का सरलीकरण महत्वपूर्ण : जितेंद्र सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा कि भारत के नवाचार-आधारित आर्थिक विकास के लिए प्रशासनिक नियमों और प्रक्रियाओं का सरलीकरण महत्वपूर्ण है। विभिन्न मंत्रालयों के सचिवों के साथ कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) की बैठक को संबोधित करते हुए उन्होंने ''प्रक्रियागत सुगमता'' पर जोर दिया।

कार्मिक मंत्रालय की ओर से जारी एक बयान में कहा गया कि बैठक का उद्देश्य विभिन्न मंत्रालयों और विभागों के समक्ष लंबे समय से चल रहे प्रशासनिक और कार्मिक संबंधी मुद्दों को मौके पर सुलझाना था। कार्मिक राज्य मंत्री सिंह ने कहा कि सुगम अनुसंधान एवं विकास (आरएंडी) के माध्यम से भारत के नवाचार-आधारित आर्थिक विकास के लिए प्रशासनिक नियमों को सरल बनाना महत्वपूर्ण है। प्रक्रियागत सुगमता पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक संस्थानों को परेशान करने वाले कई मुद्दे, भर्ती नियमों, सेवा शर्तों, सेवानिवृत्ति आयु आदि में विसंगतियों में निहित हैं, जो अक्सर अन्य नौकरशाहों और संबंधित मंत्रालयों की तुलना में भिन्न होते हैं। सिंह ने सभी विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभागों में प्रशासनिक तंत्र में अधिक एकरूपता की आवश्यकता को रेखांकित किया।

निवारक स्वास्थ्य सेवा में नवाचार को लेकर उद्योग जगत निभा सकता है भूमिका : नड्डा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। स्वास्थ्य मंत्री जे पी नड्डा ने उद्योग जगत से स्वास्थ्य जांच के क्षेत्र में नवाचार लाने में भूमिका निभाने का बृहस्पतिवार को आह्वान किया। उन्होंने इस क्षेत्र में पिछले एक दशक में नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा किए गए प्रयासों का भी जिक्र किया।

भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) वार्षिक व्यापार सम्मेलन 2025 में नड्डा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत सरकार 2017 में एक व्यापक स्वास्थ्य नीति लेकर आई और पहली बार निवारक स्वास्थ्य देखभाल के साथ-साथ उपचारात्मक, पुनर्वास और वृद्धावस्था देखभाल पर जोर दिया गया। उन्होंने कहा, ''अभी तक हम अलग-अलग सोचते थे। कोई समग्र दृष्टिकोण नहीं था। 2017 में हम एक ऐसी नीति लेकर आए जो व्यापक थी। निवारक कदम के लिए, अब हमारे पास 1,77,000 आयुष्मान आरोग्य मंदिर हैं। यह स्वास्थ्य सुविधाओं के साथ नागरिकों का पहला संपर्क बिंदु है।''

नड्डा ने 'विश्वास निर्माण-भारत प्रथम' थीम पर जोर दिया और भारत के 2047 विकास रोडमैप के अनुरूप स्वास्थ्य सेवा प्रणालियों को मजबूत करने के लिए एकीकृत राष्ट्रीय प्रयास का आह्वान किया। उन्होंने कहा, ''अब हमारे पास एक बहुत ही महत्वाकांक्षी योजना है जो स्वास्थ्य बोझ को कम करने जा रही है। 1,75,000 स्वास्थ्य सेवा केंद्रों में हमारे पास सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी हैं।'' उन्होंने कहा, ''हमारे पास विशेषज्ञों से जुड़ी एक टेली-मेडिसिन प्रणाली है... इसलिए किसी ग्रामीण को जरूरत न होने पर स्वास्थ्य संस्थान में जाने की जरूरत नहीं होगी।''

नड्डा ने कहा, ''हमें दुनिया की फार्मेसी कहा जाता है... दुनिया का 60 प्रतिशत वैक्सीन उत्पादन यहीं होता है। हम चिकित्सा उपकरणों के मामले में भी अग्रणी हैं। हम उद्योग से जांच के क्षेत्र में नवाचार की उम्मीद करते हैं।'' उन्होंने यह भी कहा कि निजी क्षेत्र टेली-मेडिसिन के क्षेत्र में बड़े पैमाने पर आगे आ सकता है।

मंत्री ने सीआईआई 'सेंटर फॉर हेल्थ' की भी शुरुआत की। सीआईआई ने एक बयान में कहा कि 'सेंटर फॉर हेल्थ' बहु-हितधारक सहयोग, स्वास्थ्य में कम लागत वाले नवाचार सुनिश्चित करने, आपूर्ति बाधाओं को सुव्यवस्थित करने और निजी क्षेत्र को शामिल करने पर ध्यान केंद्रित करेगा।

तेदेपा का जन्म लोगों का जीवन बदलने के लिए हुआ: पार्टी की रैली में चंद्रबाबू नायडू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कडप्पा (आंध्र प्रदेश)/भाषा। तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) प्रमुख और मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने बृहस्पतिवार को कहा कि उनकी पार्टी का जन्म लोगों के जीवन को बदलने के लिए हुआ है।

पार्टी के तीन दिवसीय वार्षिक सम्मेलन (तेदेपा महानाडु) के अंतिम दिन एक जनसभा को संबोधित करते हुए नायडू ने कहा कि पार्टी समर्थकों की बड़ी संख्या देखकर उनका उत्साह बढ़ा है।

तेदेपा प्रमुख के अनुसार, वाईएसआर परिवार के गढ़ माने जाने वाले कडप्पा में महानाडू का आयोजन यह साबित करने के लिए किया गया कि यह स्थान तेदेपा का गढ़ है। नायडू ने इस बात पर प्रकाश डाला कि रायलसीमा क्षेत्र ने 2024 के चुनावों में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को 52 विधानसभा सीट में से 45 सीट दिलायी।

उन्होंने यह भी कहा कि तेदेपा इस बात के लिए अध्ययन का विषय है कि सरकार और राजनीतिक पार्टी कैसे चलायी जानी चाहिए, जबकि वाईएसआरसीपी इस बात का अध्ययन करने का विषय है कि इन्हें कैसे नहीं चलाया जाना चाहिए।

नायडू ने आरोप लगाया कि पिछली वाईएसआरसीपी सरकार अत्याचार, हत्या, दुर्व्यवहार और उत्पीड़न से भरी हुई थी। उन्होंने कहा कि उस सरकार के दौरान राज्य का विकास 30 साल पीछे चला गया था।

बीआरएस में आंतरिक मतभेद गहराया
कविता ने भाजपा में बीआरएस के विलय के प्रयास का लगाया आरोप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की विधानपरिषद सदस्य के. कविता ने बृहस्पतिवार को पार्टी में अपने आलोचकों पर हमला करते हुए आरोप लगाया कि कुछ ताकतों ने पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव के नेतृत्व वाले इस दल का भाजपा में विलय करने की कोशिश की है और वे अब भी ऐसा कर रही हैं।

अपने भाई और बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के टी रामा राव पर परोक्ष हमला करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि (जब वह पिछले वर्ष धनशोधन के एक मामले - दिल्ली शराब पुलिस घोटाला मामले में - राष्ट्रीय राजधानी की जेल में थीं, तब विलय का यह) प्रस्ताव उनके सामने लाया गया था जिसे उन्होंने सिरे से खारिज कर दिया था। पार्टी ने इस (आरोप) पर तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। मीडियाकर्मियों के साथ अनौपचारिक बातचीत में कविता ने (केसीआर को छोड़कर) पार्टी नेताओं पर इस बात को लेकर सवाल उठाया कि जब उनका नाम सोशल मीडिया और कुछ स्थानीय अखबारों में बदनाम किया जा रहा था, तो वे उनके बचाव में क्यों नहीं आए? उन्होंने कहा, ''मेरी राय है कि तेलंगाना के संसाधनों को लूटने की कोशिश कर रही भाजपा को नियंत्रित करने के बजाय बीआरएस को भाजपा के हाथों में सौंपने की कोशिश की जा रही है। चूंकि जब मैं जेल में थी, तो मेरे पास भी यही प्रस्ताव लाया गया था। मैंने दृढ़ता से कहा कि नहीं! बीआरएस तेलंगाना के लोगों के लिए श्रीराम रक्षा है।''

एशियाई विकास बैंक के अध्यक्ष से मिलीं सीतारमण, ग्रामीण समृद्धि पर मांगा समर्थन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बृहस्पतिवार को एशियाई विकास बैंक (एडीबी) के अध्यक्ष मसातो कांडा से मुलाकात की और रोजगार सृजन सहित एकीकृत ग्रामीण समृद्धि पहल के लिए समर्थन बढ़ाने की मांग रखी।

वित्त मंत्रालय ने पोस्ट में कहा कि इस मुलाकात के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के वर्ष 2047 तक 'विकसित भारत' के संकल्प के अनुरूप साझेदारी को आकार देने पर ध्यान केंद्रित किया गया। भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने भारत के 'सुधार, प्रदर्शन और परिवर्तन' दृष्टिकोण के साथ व्यवस्थागत बदलाव और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए 'बजट प्लस' और 'वित्त प्लस' के दृष्टिकोण पर जोर दिया। इसके अलावा उभरती राष्ट्रीय प्राथमिकताओं पर प्रतिक्रिया देने में फुर्ती दिखाने का आग्रह भी किया। वित्त मंत्री ने 'अंत्योदय' के सिद्धांत पर जोर देते हुए एडीबी से एकीकृत ग्रामीण समृद्धि उपायों का समर्थन करने का आग्रह किया। इसमें रोजगार एवं स्थानीय उद्यमिता के सृजन के अलावा कृषि में नवाचार को बढ़ावा देना शामिल है। मंत्रालय के मुताबिक, वित्त मंत्री ने 'विकसित भारत 2047' के दृष्टिकोण के अनुरूप शहरी शासन में व्यवस्थागत सुधार, पारगमन-उन्मुख विकास और नगरपालिका वित्त को सुदृढ़ बनाने के लिए बुनियादी ढांचे से आगे बढ़ने पर जोर दिया।

राहुल का प्रधानमंत्री से आग्रह :
पाकिस्तानी गोलाबारी से प्रभावित लोगों के लिए राहत पैकेज जारी हो

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने बृहस्पतिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर आग्रह किया कि जम्मू कश्मीर के पुंछ और पाकिस्तान की गोलाबारी से प्रभावित अन्य सभी इलाकों के लिए ठोस राहत एवं पुनर्वास पैकेज घोषित किया जाए।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने पिछले दिनों पुंछ का दौरा कर प्रभावित लोगों से मुलाकात की थी। गांधी ने पत्र में कहा, मैंने हाल ही में पुंछ का दौरा किया, जहां पाकिस्तानी गोलाबारी में 4 बच्चों सहित 14 लोगों की दुखद मृत्यु हो गई और दर्जनों लोग घायल हुए हैं। इस अचानक और अंधाधुंध हमले ने आम इलाकों में भारी तबाही मचाई है। सैकड़ों घर, दुकानें, स्कूल और धार्मिक स्थल बुरी तरह तबाह हो गए हैं।

उनके मुताबिक, कई पीड़ितों ने बताया कि उनकी वर्षों की मेहनत एक झटके में बर्बाद हो गई। राहुल गांधी ने कहा, पुंछ और सीमा से लगे अन्य क्षेत्रों के लोग दशकों से शांति और भाईचारे के साथ रह रहे हैं। आज जब वे इस गहरे संकट से गुजर रहे हैं, तो हमारा कर्तव्य है कि हम उनके दुख को समझें और उनके जीवन को फिर से संवारने के लिए हर संभव सहायता प्रदान करें। उन्होंने प्रधानमंत्री से आग्रह किया, मैं भारत सरकार से आग्रह करता हूं कि पाकिस्तान की गोलाबारी से प्रभावित पुंछ और अन्य सभी इलाकों के लिए एक ठोस और उदारता से भरा राहत और पुनर्वास पैकेज प्रदान किया जाए।

आभूषण हॉलमार्किंग योजना के दायरे में और जिलों को लाए बीआईएस : प्रल्हाद जोशी

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय खाद्य एवं उपभोक्ता मामलों के मंत्री प्रल्हाद जोशी ने भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) से आभूषणों की अनिवार्य हॉलमार्किंग के दायरे में और अधिक जिलों को लाने का निर्देश दिया है। फिलहाल 371 जिले अनिवार्य हॉलमार्किंग के दायरे में हैं।

बृहस्पतिवार को जारी आधिकारिक बयान के अनुसार, मंत्री ने बीआईएस की शासी परिषद की नौवीं बैठक की अध्यक्षता की। वह बीआईएस की शासी परिषद के पदेन अध्यक्ष रह चुके हैं। अपने संबोधन के दौरान, जोशी ने कहा कि बीआईएस देश में 371 जिलों को आभूषणों की अनिवार्य हॉलमार्किंग योजना के तहत लाया है, जिससे उपभोक्ताओं को गुणवत्ता भरोसा मिल गया है। उन्होंने निर्देश दिया कि आने वाले वर्षों में अधिक जिलों को जोड़ा जाए। जोशी ने विभिन्न उत्पादों और सेवाओं के लिए भारतीय मानकों के महत्व पर जोर दिया और विभिन्न क्षेत्रों में 23,798 भारतीय मानकों के निर्माण के साथ बीआईएस की उपलब्धियों की सराहना की। उन्होंने बीआईएस द्वारा विभिन्न मंत्रालयों/विभागों को क्यूसीओएस (गुणवत्ता नियंत्रण आदेश) की संख्या 2014 में 14 से बढ़ाकर आज 191 करने में दिए गए सहयोग का उल्लेख किया।

बिजली की पूरी मांग को सौर ऊर्जा से पूरा करने वाला दीव देश का पहला जिला बना

नई दिल्ली/भाषा। दीव अपनी पूरी बिजली मांग को सौर ऊर्जा से पूरा करने वाला देश का पहला जिला बन गया है। इसने कुल 11.88 मेगावाट क्षमता हासिल की है। नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री (एमएनआरई) प्रल्हाद जोशी ने कहा कि दीव नवीकरणीय ऊर्जा अपनाने में एक राष्ट्रीय उदाहरण है। जहां दिन के समय की पूरी बिजली की मांग सौर ऊर्जा से पूरी की जाती है। जोशी ने बृहस्पतिवार को दीव का दौरा किया और सौर ऊर्जा अपनाने में इसकी उल्लेखनीय प्रगति की समीक्षा की तथा पीएम-सूर्य घर: मुफ्त बिजली योजना के कार्यान्वयन का आकलन किया। मंत्री ने दीव में केंद्र शासित प्रदेश के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ सौर ऊर्जा उत्पादन की स्थिति, इसकी वर्तमान आपूर्ति रूपरेखा तथा भविष्य के विस्तार की संभावनाओं की समीक्षा के लिए एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की।

'लाडकी बहिन योजना के लिए अन्य विभागों से धनराशि नहीं ली गई, बजट नियम पढ़ें'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

परभणी/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने बृहस्पतिवार को स्पष्ट किया कि महिलाओं के लिए सरकार की प्रमुख योजना 'लाडकी बहिन' के लिए किसी अन्य विभाग से कोई धनराशि नहीं ली गई है और जो लोग बजट को नहीं समझते, वे निराधार दावे कर रहे हैं।

फडणवीस ने कहा कि इस योजना के लिए धनराशि जनजातीय मामलों और सामाजिक न्याय विभागों के माध्यम से वितरित की गई और यह बजटीय नियमों के अनुसार था। इस योजना के तहत पात्र गरीब महिलाओं को 1,500 रुपए मासिक मिलते हैं। यहां मध्य महाराष्ट्र में पत्रकारों से बात करते हुए फडणवीस ने कहा कि बजटीय नियमों के अनुसार अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) के लिए धन आरक्षित होना चाहिए। उन्होंने कहा कि अधिकतम धन व्यक्तिगत लाभ योजनाओं के लिए निर्धारित किया जाना चाहिए और कुछ धन बुनियादी ढांचे के विकास के लिए अलग रखा जाना चाहिए।

विपक्ष ने आरोप लगाया है कि लाडकी बहिन योजना के लिए अन्य विभागों से धन लिया गया है। फडणवीस ने कहा, ''यह आरोप गलत हैं। केवल वे लोग ही ऐसा आरोप लगा सकते हैं जिन्हें बजट की समझ नहीं है। नियम कहते हैं कि धन एससी/एसटी के लिए आरक्षित होना चाहिए। अधिकतम धन व्यक्तिगत लाभ योजनाओं और कुछ बुनियादी ढांचे के विकास के लिए आरक्षित होना चाहिए।'' मुख्यमंत्री ने कहा, ''लाडकी बहिन योजना लाभार्थियों को व्यक्तिगत लाभ देने की श्रेणी में आती है। इसलिए, यदि आप इस योजना के लिए पैसा देते हैं, तो बजटीय नियमों के अनुसार, इसे जनजातीय मामलों के विभाग और सामाजिक न्याय विभाग के तहत दिखाना होगा।'' उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि उपमुख्यमंत्री अजित पवार पहले ही इस मामले में स्पष्टीकरण दे चुके हैं, जो वित्त विभाग भी संभालते हैं।

एआई ला रहा व्यापक बदलाव, उद्योग खुद को रखें तैयार: वैष्णव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बृहस्पतिवार को कहा कि कृत्रिम मेधा (एआई) से समाज और विभिन्न उद्योगों में बड़े पैमाने पर बदलाव आने की संभावना जताते हुए कहा कि हर क्षेत्र को इन बदलावों के लिए तैयार रहने और उनके अनुकूल होने की जरूरत है। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री वैष्णव ने यहां उद्योग मंडल भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि आज के समय में एआई एक 'वास्तविकता' है और यह लंबे समय तक बनी रहने वाली है। उन्होंने कहा कि अतीत में जिस तरह इंटरनेट और इलेक्ट्रॉनिक्स ने समाज की दिशा को बदला है, कुछ उसी तरह एआई भी बहुत बड़ा बदलाव लेकर आएगा। वैष्णव ने कहा, एआई के कारण जब वह बदलाव आए तो हमें हर क्षेत्र या उद्योग में उस बदलाव का सामना करने के लिए तैयार रहना चाहिए।

सेमीकंडक्टर क्षेत्र में चीन को चुनौती देने की स्थिति में है भारत : थर्डआईटेक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। 'फैबलेस चिप' बनाने वाली कंपनी थर्ड आईटेक की मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) वृंदा कपूर ने कहा है कि सेमीकंडक्टर उद्योग में चीन के साथ प्रतिस्पर्धा करने के लिए कुशल कार्यबल के साथ भारत एकमात्र देश है।

उन्होंने कहा कि दुनिया की 20% सेमीकंडक्टर डिजाइन प्रतिभा बेंगलूरु, हैदराबाद और पुणे में है। दशकों से वैश्विक प्रौद्योगिकी दिग्गजों द्वारा भारत में बड़े अनुसंधान एवं विकास केंद्र स्थापित करने के कारण बनी इस अद्वितीय बढ़त ने देश को वैश्विक सेमीकंडक्टर क्षमता में, खासकर रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स में चीन के प्रभुत्व को चुनौती देने की स्थिति में रखा है। रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स में 2030 तक चीन की हिस्सेदारी 65% रहने की संभावना है। उद्योग मंडल भारतीय उद्योग परिसंघ के वैश्विक व्यापार शिखर सम्मेलन-2025 को संबोधित करते हुए कपूर ने कहा, भारत एकमात्र ऐसा देश है जिसके पास चीन के साथ प्रतिस्पर्धा करने के लिए पर्याप्त कुशल जनशक्ति है। क्यों? क्योंकि 70 के दशक से ही अमेरिकी कंपनियां भारत आई हैं। यूरोपीय कंपनियां भारत आई हैं और उन्होंने विशाल प्रौद्योगिकी केंद्र स्थापित किए हैं। इसलिए, हमारे जीसीसी (वैश्विक क्षमता केंद्र) आखिरकार रंग ला रहे हैं। कपूर ने इस बात पर प्रकाश डाला कि रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स आपूर्ति शृंखलाओं में चीन के तेजी से विस्तार (2004 से 600% की वृद्धि) के बावजूद, भारत के कुशल इंजीनियर और डिजायनर का विशाल पूल एक महत्वपूर्ण प्रतिस्पर्धी बढ़त रखता है।

पाकिस्तान के लिए जासूसी, ठाणे में एक व्यक्ति गिरफ्तार

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र पुलिस के आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) ने पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के आरोप में ठाणे से एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि आरोपी मुंबई स्थित एक अहम संगठन के लिए काम करता था और उसे एक पाकिस्तानी एजेंट ने 'हनीट्रैप' में फंसाया था। उन्होंने बताया कि पाकिस्तानी एजेंट ने महिला बनकर फेसबुक पर आरोपी के साथ दोस्ती की थी। अधिकारी ने हालांकि, आरोपी के नाम का खुलासा नहीं किया है। उन्होंने बताया आरोपी ने नवंबर 2024 से मार्च 2025 तक व्हाट्सऐप के जरिये 'पाकिस्तानी खुफिया ऑपरेटिव' के साथ एक महत्वपूर्ण प्रतिष्ठान के बारे में संवेदनशील जानकारी साझा की थी। गुप्त सूचना के आधार पर एटीएस की ठाणे इकाई ने दो अन्य लोगों के साथ उक्त आरोपी को हिरासत में लिया।

वैष्णव ने मध्यप्रदेश के लिए तीन नई ट्रेनों की घोषणा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भोपाल/भाषा। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बृहस्पतिवार को मध्यप्रदेश के लिए तीन नई ट्रेनों की घोषणा की। यह ट्रेनें रीवा से पुणे, नैनपुर से रायपुर और ग्वालियर से बेंगलूरु के बीच चलेंगी।

रतलाम-नागदा तीसरी और चौथी लाइन परियोजना को केंद्रीय मंत्रिमंडल की मंजूरी मिलने के एक दिन बाद वैष्णव ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से मध्यप्रदेश के संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य में एक लाख एक हजार करोड़ रुपए की परियोजनाओं पर काम हो रहा है जो कि संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) की पूर्ववर्ती सरकार के कार्यकाल से 28 गुना अधिक है। उन्होंने कहा, ''राज्य में जारी प्रत्येक परियोजना पर तेज गति से काम हो रहा है और इनमें से कई परियोजनाएं तो 2025 में पूरी हो जाएंगी।'' रेल मंत्री ने कहा कि सामान्य तौर पर चार साल में रतलाम-नागदा तीसरी और चौथी लाइन जैसी परियोजना पूरी हो जाती हैं लेकिन इसे समय से पहले ही पूरा कर लिया जाएगा। इस अवसर पर वैष्णव ने मध्यप्रदेश के लिए तीन नई ट्रेनों की घोषणा भी की। उन्होंने कहा कि पहली ट्रेन रीवा से सतना और जबलपुर होते हुए पुणे जाएगी। उन्होंने कहा कि पुणे उच्च शिक्षा के केंद्र के रूप में उभरा है, ऐसे में इस ट्रेन से छात्रों और उनके परिजनों को पुणे जाने में आसानी होगी। वैष्णव ने कहा कि दूसरी ट्रेन, मध्यप्रदेश के नैनपुर, बालाघाट से गोंदिया और जबलपुर होते हुए रायपुर जाएगी। यह नई ट्रेन मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ के आदिवासी इलाकों के बीच बेहतर संपर्क स्थापित करेगी। रेल मंत्री ने कहा कि इससे दोनों राज्यों के बीच व्यापार और पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, लोगों को रोजगार के नए अवसर मिलेंगे और इससे क्षेत्र का आर्थिक विकास होगा। उन्होंने कहा कि तीसरी ट्रेन ग्वालियर से गुना और भोपाल होते हुए बेंगलूरु जाएगी।

अमेरिका के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर बातचीत पटरी पर: गोयल

नई दिल्ली/भाषा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बृहस्पतिवार को कहा कि द्विपक्षीय व्यापार समझौते के लिए अमेरिका के साथ बातचीत अच्छी तरह से आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि यूरोपीय संघ (ईयू) के साथ व्यापार समझौते के लिए बातचीत में तेजी से प्रगति हो रही है।

पीयूष गोयल ने यहां भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) की वार्षिक आम बैठक में कहा, ''हम अमेरिका के साथ अपने द्विपक्षीय व्यापार समझौते में अच्छी तरह से आगे बढ़ रहे हैं और यूरोपीय संघ के साथ तेजी से प्रगति कर रहे हैं।'' भारत के साथ व्यापार वार्ता के लिए अमेरिकी अधकारियों का एक दल अगले सप्ताह भारत आ रहा है।

'भारत ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के जरिये पाक को मुंहतोड़ जवाब दिया'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंदौर (मध्यप्रदेश)/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की पूर्व सांसद प्रज्ञा सिंह ठाकुर ने बृहस्पतिवार को कहा कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के जरिये पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब दिया है। उन्होंने भारत-पाक संघर्ष विराम को लेकर पाकिस्तान पर निशाना साधते हुए यह भी कहा कि युद्ध बराबर के दुश्मन से लड़ा जाता है और एक कुत्ते से हाथी कभी युद्ध नहीं करता।

ठाकुर ने इंदौर में 'करणी सेना भारत' नामक संगठन की ''प्रताप पराक्रम यात्रा'' में शामिल होने के दौरान एक सभा को संबोधित करते हुए ये बातें कहीं। उन्होंने 'ऑपरेशन सिंदूर' के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व की तारीफ करते हुए कहा,''पाकिस्तान के गोला-बारूद और आतंकवादी कुछ नहीं कर पाए। उन्होंने जितने भी हथियार चलाए, वे हथियार भारत की सीमा के बाहर ही भस्म हो गए। वे एक आक्रमण नहीं कर पाए और भारत ने उन्हें मुंहतोड़ जवाब दिया।''

भाजपा नेता ने भारत-पाक संघर्ष विराम के संदर्भ में पाकिस्तान पर प्रहार किया और कहा,''लोगों ने कहा कि यह क्या हो गया? युद्ध क्यों बंद कर दिया? अरे, युद्ध तो बराबरी वालों से लड़ा जाता है। एक कुत्ते से हाथी कभी युद्ध नहीं करता।'' उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस नेता 'ऑपरेशन सिंदूर' पर प्रश्नवाचक चिन्ह खड़े कर रहे हैं। ठाकुर ने कांग्रेस के इतिहास को ''देशद्रोह का इतिहास'' करार देते हुए कहा कि यह इतिहास किसी से छिपा नहीं है। उन्होंने कहा,''हमारे देश की जनता चुन-चुन कर जवाब दे और कांग्रेस का सूपड़ा साफ करे।''

दिग्गज अभिनेता और लेखक राजेश का निधन

चेन्नई। दिग्गज फिल्म अभिनेता और लेखक राजेश का बृहस्पतिवार को उम्र संबंधी बीमारी के कारण निधन हो गया। परिवार के एक करीबी सूत्र ने यह जानकारी दी। राजेश ने कई फिल्मों में दमदार अभिनय से सफलता की कहानी लिखी। वह 75 वर्ष के थे। सूत्र ने बताया कि राजेश को बेचैनी की शिकायत के बाद यहां एक अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया।

तमिल फिल्मों के दिग्गज अभिनेता रजनीकांत सहित कई फिल्मी हस्तियों ने राजेश के निधन पर शोक व्यक्त किया। रजनीकांत ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, मेरे करीबी दोस्त, अभिनेता राजेश की असामयिक मृत्यु की खबर से मैं स्तब्ध हूं। इससे मुझे बहुत दुख हुआ। एक अद्भुत व्यक्ति, उनकी आत्मा को शांति मिले। उनके परिवार और दोस्तों के प्रति मेरी गहरी संवेदना है। अभिनेत्री राधिका सरथकुमार ने राजेश की अचानक मौत पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, राजेश का निधन अप्रत्याशित है। हमने एक साथ कई फिल्में कीं और सिनेमा व जीवन के बारे में उनका ज्ञान शानदार था। परिवार, दोस्त और फिल्म जगत उन्हें याद करेगा। पांच दशकों के शानदार करियर में तमिल, मलयालम और तेलुगु में 150 से अधिक फिल्मों में अभिनय करने वाले राजेश को 'थानीर थानीर' और 'अंधा एझु नाटकल' में उनकी दमदार भूमिका के लिए जाना जाता है। उनके अभिनय ने सिनेमा देखने वालों पर गहरा प्रभाव डाला।

राजेश का बृहस्पतिवार सुबह सवा आठ बजे निधन हो गया और उनका अंतिम संस्कार उनकी बेटी के अमेरिका से आने के बाद होगा। राजेश नादिगर संगम (दक्षिण भारतीय फिल्म कलाकार संघ) की कार्यकारी समिति के सदस्य थे।

केरल में मूसलाधार बारिश से व्यापक पैमाने पर नुकसान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

आईएमडी ने आठ जिलों में जारी किया 'रेड अलर्ट'

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल में मानसून के दस्तक देने के बाद मूसलाधार बारिश हो रही है जिसकी वजह से व्यापक पैमाने पर नुकसान हुआ है। वहीं भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बृहस्पतिवार को राज्य के आठ जिलों के लिए 'रेड अलर्ट' जारी किया है। आईएमडी ने पत्तनमथिट्टा, कोट्टायम, एर्णाकुलम, इडुक्की, कोझिकोड, वायनाड, कन्नूर और कासरगोड जिलों में बृहस्पतिवार के लिए 'रेड अलर्ट' तथा शेष जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट' जारी किया है। इसके अलावा तीन जिलों इडुक्की, कन्नूर और कासरगोड के लिए शुक्रवार के लिए भी 'रेड अलर्ट' तथा शेष 11 जिलों के लिए 'ऑरेंज अलर्ट' जारी किया गया है। 'रेड अलर्ट' का अभिप्राय है कि 24 घंटे में 20 सेंटीमीटर से अधिक एवं मूसलाधार बारिश हो सकती है जबकि ऑरेंज अलर्ट' का अर्थ है कि उक्त क्षेत्र में 24 घंटे की अवधि में 11 से 20 सेमी तक वर्षा हो सकती है। येलो अलर्ट' का अभिप्राय है कि अधिसूचित क्षेत्र में छह से 11 सेमी बारिश हो सकती है।

आईएमडी ने इससे पहले कहा था कि बंगाल की खाड़ी के ऊपर बने मजबूत निम्न दबाव के कारण राज्य के कुछ इलाकों में अगले कुछ दिन तक मूसलाधार बारिश हो सकती है। मौसम विभाग ने यह भी बताया कि राज्य के कुछ हिस्सों में मध्यम बारिश होने और 40 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने का अनुमान है।

केरल राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (केएसडीएमए) ने कहा कि भारी बारिश के कारण राज्य की विभिन्न नदियों – पत्तनमथिट्टा में मणिमाला और अचनकोविल, कोट्टायम में मीनाचिल, कोझिकोड में कोरापुझा और वायनाड जिले में कबानी में जल स्तर लगातार बढ़ रहा है। केएसडीएमए ने तटों के करीब रहने वाले लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है। राज्य में मानसून के मौसम में हुई भारी बारिश और तेज हवाओं के कारण व्यापक नुकसान हुआ है। कई पेड़ और खंभे उखड़ गए हैं जिसकी वजह से बिजली आपूर्ति बाधित हुई है और निचले इलाकों में जल जमाव की स्थिति उत्पन्न हो गई।

खबरों के अनुसार, राज्य भर में कई घर क्षतिग्रस्त हो गए हैं और तेज हवाओं से कई हिस्सों में फसलों को भारी नुकसान हुआ है। वायनाड जिले सहित राज्य के कई हिस्सों में सैकड़ों लोगों को राहत शिविरों में ठहराया गया है। राज्य में मानसून ने निर्धारित समय से आठ दिन पहले 24 मई को दस्तक दी थी।

केरल के मंत्री अब्दुरहीमन ने केंद्र से दो रेलवे स्टेशनों को बंद न करने की अपील की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल में रेलवे मामलों के प्रभारी मंत्री वी अब्दुरहीमन ने केंद्र सरकार से राज्य के कोझिकोड और कन्नूर जिलों के दो रेलवे स्टेशनों को बंद करने के फैसले को वापस लेने की अपील की है। बुधवार को जारी एक सरकारी बयान के मुताबिक, अब्दुरहीमन ने केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को पत्र लिखकर राज्य का पक्ष रखा है।

केंद्र ने कोझिकोड जिले के वेल्लारकड स्टेशन और कन्नूर जिले के चिरक्कल स्टेशन को बंद करने का निर्णय लिया है। अब्दुरहीमन ने वैष्णव को लिखे पत्र में कहा है कि यदि इन स्टेशनों को बंद कर दिया गया तो सैकड़ों आम यात्रियों को परेशानी होगी। उन्होंने कहा कि वर्षों से इन स्टेशनों पर निर्भर रहने वाले कर्मचारी, मजदूर और छात्र संकट में आ जाएंगे। कोविड काल के दौरान यात्री संख्या घटने के कारण कई ट्रेनें इन स्टेशनों पर नहीं रुकतीं और सीधे आगे बढ़ जाती हैं।

मंत्री ने आरोप लगाया कि स्टेशन बंद करने का यह कदम केंद्र के रेलवे के निजीकरण की नीति और केरल को अनदेखा किए जाने का हिस्सा है। उन्होंने इसे निंदनीय बताते हुए कहा कि इन स्टेशनों को यथावत रखा जाए और यहां और अधिक ट्रेनों के रुकने (स्टापेज) की अनुमति दी जाए।

बेंगलूरु में गुरुवार को विधान परिषद के सदस्य बीके हरिप्रसाद के आवास पर जाकर उनसे मुलाकात करते हुए मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या।

सिद्दरामय्या ने मंगलूरु में कानून-व्यवस्था की स्थिति की समीक्षा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने मंगलूरु में एक मुस्लिम युवक की हत्या के बाद बृहस्पतिवार को कानून व्यवस्था की स्थिति की समीक्षा की और कहा कि क्षेत्र में सांप्रदायिक सद्भाव बहाल करने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। बंटवाल में 27 मई को एक युवक की हत्या के बाद आक्रोश फैल गया था और इलाके में 30 मई तक निषेधाज्ञा लागू कर दी गई है।

मुख्यमंत्री बृहस्पतिवार को कांग्रेस के विधान परिषद के सदस्य बीके हरिप्रसाद के आवास पर गए, जहां उन्होंने दक्षिण कन्नड़ जिले की मौजूदा स्थिति पर चर्चा की। सिद्दरामय्या ने हरिप्रसाद के घर जाने के बाद संवाददाताओं से कहा, हमने मंगलूरु में मौजूदा स्थिति पर सामान्य चर्चा की। उस क्षेत्र में सांप्रदायिक सद्भाव होना चाहिए। हिंदुओं और मुसलमानों के बीच किसी प्रकार की नफरत नहीं होनी चाहिए। हमें वहां सद्भाव बहाल करना है, जिसके लिए हमने चर्चा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने हरिप्रसाद से मंगलूरु आने को कहा है। सिद्दरामय्या ने दक्षिण कन्नड़ में प्रतिशोध के लिए की गई हत्याओं के बारे में कहा, हम इसमें शामिल किसी भी व्यक्ति के खिलाफ कानून के अनुसार कार्रवाई करेंगे, चाहे वह कितना भी प्रभावशाली क्यों न हो। कोई भी व्यक्ति कानून से ऊपर नहीं है। कानून ही सबसे ऊपर है। यह पूछने पर कि क्या सांप्रदायिकता रोधी कार्य बल का गठन किया जाएगा, सिद्दरामय्या ने कहा कि वह इस बारे में चर्चा करेंगे।

सिद्दरामय्या ने यह भी कहा कि वह शुक्रवार को जिलों के उपायुक्तों और जिला पंचायत के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों के साथ राज्य में बारिश की स्थिति को लेकर एक बैठक करेंगे, जिसमें मंत्री और सचिव भी शामिल होंगे। पुलिस ने रहमान हत्याकांड के सिलसिले में मुख्य संदिग्ध दीपक और सुमित सहित तीन लोगों को हिरासत में लिया है। एक मई को हिंदूवादी कार्यकर्ता सुहास शेट्टी की हत्या के बाद रहमान की हत्या का मामला सामने आया।

केरल सरकार ने कोच्चि तट के नजदीक हुए जहाज हादसे को आपदा घोषित किया

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल सरकार ने तटीय जिले अलप्पुझा के नजदीक लाइबेरिया का एक मालवाहक जहाज डूबने की घटना को राज्य-विशिष्ट आपदा घोषित किया है। लाइबेरिया का मालवाहक जहाज एमएससी ईएलएसए-3 रविवार को अलप्पुझा जिले के थोट्टापल्ली के पास तट से लगभग 14.6 समुद्री मील दूर डूब गया था, जिससे पर्यावरण संबंधी चिंताएं उत्पन्न हो गईं। जहाज पर दुर्घटना के समय 643 कंटेनर लदे थे जिनमें कई में खतरनाक माल भरा था। एक आधिकारिक आदेश में राज्य सरकार ने कहा कि इस हादसे ने पर्यावरण संबंधी गंभीर चिंताएं उत्पन्न कर दी हैं, जिनमें तेल रिसाव और केरल के समुद्र तट पर मलबे के बहकर आने की आशंका भी शामिल है। आदेश में कहा गया है, जहाज के मलबे के संभावित गंभीर पर्यावरणीय, सामाजिक और आर्थिक प्रभाव को ध्यान में रखते हुए, सरकार केरल के तट से 14.6 समुद्री मील दूर अरब सागर में हुए जहाज हादसे को राज्य-विशिष्ट आपदा घोषित करती है।

मैंने अपने बेटे अंबुमणि को केंद्रीय मंत्री बनाकर गलती की : रामदास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

डॉ. एस. रामदास ने कहा कि यदि आवश्यक हुआ तो वह पार्टी की आम परिषद की बैठक बुलाएंगे और अंबुमणि को हटा देंगे पार्टी पद से

विलुपुरम। पट्टाली मक्कल काची (पीएमके) के संस्थापक डॉ. एस. रामदास ने बृहस्पतिवार को यह दावा करके सभी को चौंका दिया कि उन्होंने अपने सिद्धांतों के खिलाफ जाकर अपने बेटे डॉ. अंबुमणि रामदास को केंद्रीय मंत्री बनने में मदद करके एक गलती की। एस. रामदास ने हाल में घोषणा की थी कि ''वह अपने 56 वर्षीय बेटे को पार्टी के अध्यक्ष पद से हटा रहे हैं और वह इसके स्थान पर कार्यवाहक अध्यक्ष के रूप में कार्यरत रहेंगे।''

उन्होंने यह भी घोषणा की थी कि वह पीएमके के संस्थापक अध्यक्ष के रूप में पार्टी का पूरा नियंत्रण अपने हाथ में ले रहे हैं। रामदास ने दावा किया था कि अंबुमणि ने पार्टी के विकास में बाधा डाली। यहां के निकट थाइलपुरम स्थित अपने आवास पर पत्रकारों से बात करते हुए 85 वर्षीय नेता ने कहा, मैंने अपने बेटे अंबुमणि को 35 साल की उम्र में केंद्रीय मंत्री बनाकर गलती की। उन्होंने 2024 के लोकसभा चुनाव के दौरान भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ गठबंधन करने के लिए मजबूर किया। उन्होंने कहा कि यदि आवश्यक हुआ तो वह पार्टी की आम परिषद की बैठक बुलाएंगे और अंबुमणि को पार्टी पद से हटा देंगे। अंबुमणि 2004 से 2009 तक मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार में केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री थे।

राजभवन में गुरुवार को बेंगलूरु में श्रम मंत्री संतोष लाड और श्रमिकों के एक प्रतिनिधिमंडल ने 'कर्नाटक प्लेटफॉर्म आधारित गिग वर्कर्स सामाजिक सुरक्षा और कल्याण अध्यादेश-2025' पर हस्ताक्षर करने के अवसर पर कर्नाटक के राज्यपाल थावर चंद गहलोत से मुलाकात की और अपना आभार व्यक्त किया।

कर्नाटक में गिग वर्कर के लिए अध्यादेश ऐतिहासिक कदम, अन्याय खत्म होगा : राहुल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/बेंगलूरु कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने बृहस्पतिवार को कहा कि उनकी पार्टी के शासन वाले कर्नाटक में गिग वर्कर के लिए जारी किया गया अध्यादेश एक ऐतिहासिक कदम है और इससे अन्याय का अंत होगा तथा सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित होगी। कर्नाटक सरकार ने मंगलवार को प्लेटफॉर्म-आधारित गिग वर्कर को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से एक अध्यादेश जारी किया। अध्यादेश में एक कल्याण बोर्ड की स्थापना और गिग वर्कर के लिए एक समर्पित कल्याण कोष बनाने का प्रस्ताव है। 'गिग वर्कर्स' उन श्रमिकों को कहा जाता है जिनका काम अस्थायी होता है। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, रेटिंग नहीं, हक़ चाहिए, इंसान हैं हम, गुलाम नहीं। 'भारत जोड़ो यात्रा' के दौरान जब मैं गिग वर्कर्स से मिला, तो ये शब्द मेरे दिल में उतर गए। उन्होंने कहा कि कर्नाटक की कांग्रेस सरकार ने एक ऐतिहासिक कदम उठाया है और एक ऐसा अध्यादेश लाई है जो गिग वर्कर्स को अधिकार, सुरक्षा और सम्मान देता है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा, राजस्थान ने शुरुआत की। कर्नाटक ने रास्ता दिखाया। अब तेलंगाना की बारी है।

गिग और प्लेटफ़ॉर्म आधारित काम से नए अवसर बन रहे हैं और बड़ा बदलाव आ रहा है। इस बदलाव के केंद्र में मज़दूरों के अधिकार होने चाहिए। उन्होंने कहा, यही हमारा नजरिया है और हम इसे हर राज्य और पूरे देश में लेकर जाएंगे।

पुरस्कार

बेंगलूरु में गुरुवार को राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने कर्नाटक राज्य होटल एसोसिएशन द्वारा अपनी 70वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित एक भव्य समारोह के दौरान होटल उद्योग की प्रतिष्ठित हस्तियों को प्रतिष्ठित अतिथि रत्न और उद्यम रत्न पुरस्कार प्रदान किए। इस मौकेपर आदिचुनचनगिरि मठ के डॉ.निर्मलानंदनाथ स्वामीजी, पूर्व उपमुख्यमंत्री और विधायक डॉ.सीएन अश्वत्थ नारायण, कर्नाटक राज्य होटल एसोसिएशन के अध्यक्ष जी.के. शेट्टी और अन्य गणमान्य उपस्थित थे।

कर्नाटक भाजपा कोर कमेटी की बैठक हुई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक प्रदेश भाजपा कोर कमेटी की बैठक गुरुवार दोपहर भाजपा प्रदेश कार्यालय जगन्नाथ भवन में हुई। बैठक की अध्यक्षता भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व विधायक विजयेंद्र येडीयुरप्पा ने की।

पूर्व मुख्यमंत्री व केंद्रीय संसदीय बोर्ड के सदस्य बी.एस. येडीयुरप्पा, पूर्व मुख्यमंत्री डी.वी. सदानंद गौड़ा, पूर्व मुख्यमंत्री व सांसद बसवराज बोम्मई, पूर्व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष नलिन कुमार कटील, पूर्व उपमुख्यमंत्री व सांसद गोविंदा कारजोल, पूर्व उपमुख्यमंत्री व विधायक डॉ. सी.एन. अश्वथनारायण, पूर्व मंत्री बी. श्रीरामुलु, भाजपा पुडुचेरी प्रदेश प्रभारी निर्मल कुमार सुराना मौजूद थे। बैठक में विशेष आमंत्रित भाजपा कर्नाटक प्रदेश प्रभारी व राज्यसभा सांसद डॉ. राधा मोहन दास अग्रवाल, विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवडी नारायणस्वामी, प्रदेश सह प्रभारी सुधाकर रेड्डी व पूर्व राष्ट्रीय महासचिव व विधान परिषद सदस्य सी.टी. रवि ने भाग लिया। बैठक में अनेक मुद्दों पर विचार विमर्श किया गया।

मुझे सूचित किए बिना जल संसाधन विभाग के अभियंताओं का तबादला न किया जाए : शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने बृहस्पतिवार को कहा कि उन्होंने मुख्य सचिव शालिनी रजनीश को पत्र लिखकर कहा है कि जल संसाधन विभाग से किसी भी अभियंता का तबादला उन्हें सूचित किए बिना न किया जाए। जल संसाधन विभाग का जिम्मा भी उप मुख्यमंत्री के पास है।

यहां संवाददाताओं से बात करते हुए शिवकुमार ने कहा, जल संसाधन विभाग में हमारे पास बहुत से अभियंता नहीं हैं। हमें अभियंताओं की तत्काल आवश्यकता है। इसलिए मैंने मुख्य सचिव को पत्र लिखकर कहा है कि हमारे विभाग से किसी भी अभियंता को रिलीव या अन्यत्र न भेजा जाए।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि अभियंता जल संसाधन विभाग में नौकरी करते हैं, पदोन्नत होते हैं और फिर लोक निर्माण और जिला पंचायत सहित अन्य विभागों में स्थानांतरित हो जाते हैं। जब उनसे पूछा गया कि आपकी अनुमति के बिना किसने तबादला किया, तो उन्होंने कहा, शीर्ष स्तर पर ऐसे तबादले करने की गुंजाइश होती है। मैं यह नहीं कहूंगा कि ऐसी गुंजाइश नहीं है। इसलिए मैं कह रहा हूं कि कई विधायक अभियंताओं को दूसरे विभागों में भेजने के लिए दबाव डालते हैं। शिवकुमार इस बात से दुखी हैं कि सिंचाई विभाग में इंजीनियर काम करने के लिए आगे नहीं आ रहे हैं। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, मैंने मुख्य सचिव से कहा है कि मेरे संज्ञान में लाए बिना किसी का तबादला न किया जाए। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष विजयेंद्र येडीयुरप्पा ने कहा, ये महज संकेत हैं। निश्चित रूप से राज्य की राजनीति में बड़े बदलाव होने वाले हैं। ये घटनाए आगामी चरमोत्कर्ष की ओर इशारा करती हैं। उन्होंने बृहस्पतिवार सुबह वरिष्ठ कांग्रेस नेता और विधान परिषद सदस्य बी.के. हरिप्रसाद के आवास पर मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या के जाने को भी राज्य में बदलते समीकरणों से जोड़ा।

कांग्रेस नेताओं ने विप में विपक्ष के नेता और विपक्ष के मुख्य सचेतक के खिलाफ राज्यपाल को याचिका दी

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। सत्तारूढ़ कांग्रेस के विधान परिषद के सदस्यों (एमएलसी) के एक प्रतिनिधिमंडल ने बृहस्पतिवार को कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत को विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवडी नारायणस्वामी और विपक्ष के मुख्य सचेतक एन रविकुमार के खिलाफ उनकी हालिया विवादास्पद टिप्पणियों के लिए याचिका देकर उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग की। नारायणस्वामी और रविकुमार दोनों भारतीय जनता पार्टी के एमएलसी हैं। रविकुमार ने कलबुर्गी की उपायुक्त फौजिया तरन्नुम के खिलाफ टिप्पणी की थी, जिसमें उन्होंने पूछा था कि क्या वह आईएएस अधिकारी हैं या पाकिस्तान से आई हैं। इसकी व्यापक निंदा हुई थी, जबकि हाल में नारायणस्वामी द्वारा ग्रामीण विकास और पंचायत राज मंत्री प्रियांक खरगे की तुलना कुत्ते से करने के बाद राजनीतिक तूफान खड़ा हो गया था। विधान परिषद में सदन के नेता और मंत्री एन एस बोसराजू के नेतृत्व में कांग्रेस एमएलसी ने अपनी याचिका में राज्यपाल से अनुरोध किया, रविकुमार द्वारा की गई अपमानजनक और सांप्रदायिक टिप्पणियों का स्वतः संज्ञान लें और धर्मनिरपेक्षता,

प्रशासनिक तटस्थता और लोक सेवकों के सम्मान के संवैधानिक मूल्यों को कायम रखते हुए उनके बयानों की औपचारिक निंदा करें। नारायणस्वामी के संबंध में अलग याचिका राज्यपाल को सौंपी गई है। बाद में पत्रकारों से बात करते हुए बोसराजू ने कहा, उनका (नारायणस्वामी और रविकुमार का) आचरण गलत है और उनके पदों के लिए उपयुक्त नहीं है। हमने राज्यपाल से दोनों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई करने का आग्रह किया है। राज्यपाल ने भी कहा है कि लोकतंत्र में किसी को भी इस तरह का व्यवहार नहीं करना चाहिए।

संस्कार, संस्कृति से ही संसदीय लोकतंत्र की गरिमा, भविष्य सुरक्षित : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

उदयपुर। राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागड़े ने भारतीय संसदीय लोकतंत्र की जड़ों को मजबूत बताया है और कहा है कि मर्यादाओं में निसंदेह कुछ गिरावट आयी हैं, लेकिन हमारे संस्कार और संस्कृति इतनी समृद्ध हैं कि संसदीय लोकतंत्र की गरिमा और भविष्य दोनों सुरक्षित हैं।

बागड़े गुरुवार को यहां वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय कोटा द्वारा आयोजित विधानसभा कल, आज और कल विषयक मेवाड़ से संबद्ध विधानसभा अध्यक्ष समागम कार्यशाला को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। कार्यशाला की अध्यक्षता विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने की। इस मौके पर पूर्व अध्यक्ष कैलाश मेघवाल, शांतिलाल चपलोत और डॉ सी पी जोशी बतौर विशिष्ट अतिथि मौजूद थे। उन्होंने कहा कि पहले सदन में विषय पर अधिक चर्चा होती थी, अब विषयान्तर अधिक होने लगी है। विधेयक पर बहस में जनप्रतिनिधि रुचि से भाग नहीं लेते, जबकि उस पर तथ्यात्मक बहस होनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि सदन में अलग-अलग विचारधारा के लोग होते हैं, इसके बावजूद पहले उनमें आपस में एक-दूसरे के प्रति सम्मान भाव होते थे, लेकिन अब कटुता अधिक रहती है। उन्होंने बतौर महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष के अपने अनुभव साझा करते हुये कहा कि राजनीतिक विचारधारा भले ही अलग हो, लेकिन सभी जनप्रतिनिधियों का ध्येय जन कल्याण पर केंद्रित होना चाहिए।

उन्होंने कहा कि राजस्थान में विधानसभा संचालन उत्कृष्ट रूप से हो रहा है। इसका मूल कारण यही है कि यहां के लोग संस्कारित और सभ्य हैं। राजस्थान की जनता का देव धर्म पर अटूट विश्वास है, इसलिए संयमित और निष्ठावान हैं। जनप्रतिनिधि इसी समाज का हिस्सा हैं, इसलिए सदन अच्छी तरह से संचालित हो पाता है और भविष्य में भी होता रहेगा। कार्यशाला की अध्यक्षता कर रहे राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि राजस्थान विधानसभा आज देश के सभी राज्यों के सदनों में सर्वश्रेष्ठ हैं। विधानसभा की कार्यवाही को यूट्यूब चैनल के माध्यम से प्रदेश की आठ करोड़ जनता सीधे देख सकती है। इससे सदस्यों के आचरण और व्यवहार में सुधार आयेगा तथा पारदर्शिता भी कायम हो रही है। राजस्थान विधानसभा पेपरलेस हो रही है। सभी विधायकों को आईपेड दिये गये हैं तथा पहली बार में ही 70 प्रतिशत से अधिक विधायकों ने इसका उपयोग करते हुये पेपरलेस कामकाज को अपनाया है। आगे वाले सत्रों में इसे शत-प्रतिशत किया जायेगा। देवनानी ने कहा, हम राजतंत्र से प्रजातंत्र की ओर आये हैं। सभी सरकारों ने अपने-अपने हिसाब से जन कल्याण को लक्ष्य बनाकर काम किया है। सदन में पूर्व में पक्ष-विपक्ष एक-दूसरे का सम्मान करते थे, लेकिन इसमें कहीं न कहीं कमी आयी है। इसका प्रभाव सदन के कामकाज के साथ ही जन अपेक्षाओं की पूर्ति में भी दिखाई देता है। उन्होंने कहा कि विधायकों में अध्ययन की प्रवृत्ति भी कम हो गयी है। अब सिर्फ अपने-अपने पक्ष की सराहना तक सीमित हैं। सदन में हंगामे राजनीतिक ध्रुवीकरण के कारण और प्रचार के उद्देश्य से होने लगे हैं। मीडिया भी नकारात्मक बात तो अधिक महत्व देने लगा है, जबकि सकारात्मक प्रयासों को आगे करने की आवश्यकता है। देवनानी ने विधायकों के प्रशिक्षण पर भी बल दिया। उन्होंने कहा कि विधायकों को सदन में किस तरह का आचरण करना चाहिए, उसके लिए जीतने के बाद सुव्यवस्थित प्रशिक्षण पार्टी स्तर पर होना चाहिए, प्रशिक्षण हालांकि होते हैं, लेकिन उसमें सदन की गरिमा और मर्यादा के बारे में चर्चा नहीं के बराबर होती है।

देवनानी ने कहा कि सदन का अनुशासन और मर्यादा बनाये रखने के लिये पीठासीन अधिकारी को सख्त होना पड़ता है, लेकिन इसका अभिप्राय यह नहीं कि आसन पर ही सवाल उठाये जाने लगें। उन्होंने पीठासीन अधिकारी की तुलना मां से करते हुए कहा कि जिस प्रकार मां बच्चे की हरकतों से परेशान होकर उसे घर से चले जाने के लिए कह देती हैं, लेकिन उसके वापस नहीं लौटते तक उसके गले से निवाला नहीं उतरता है, ऐसा ही आसन के साथ भी है।

मुख्यमंत्री राजस्थान को नहीं दे पा रहे समय : टीकाराम जूली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा पर प्रदेश को समय नहीं दे पाने का आरोप लगाते हुए कहा है कि प्रदेश की जनता ने जिस सरकार को चुना वह सरकार प्रदेश में नहीं बल्कि दिल्ली में अपनी हाजिरी लगा रही है। जूली ने गुरुवार को अपने बयान में यह बात कही।

उन्होंने राज्य की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार को पर्ची सरकार बताते हुए कहा कि उसके पास प्रदेश के जनहित के मुद्दों पर बात करने का वक्त नहीं है वहीं विपक्ष यदि सवाल पूछता है तो सरकार के मुखिया और उनके मंत्री गोलमोल जवाब देकर की इति कर रहे हैं। उन्होंने कहा किभाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा के राजस्थान दौरे से पहले ही मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा फिर दिल्ली दौरे पर निकल पड़े।

उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि शर्मा फैसला लेने की स्थिति में नहीं हैं और उनकी स्थिति यह बन गई है कि दिल्ली से जब तक पर्ची नहीं आती है, वह फैसले नहीं ले पाते हैं। उन्होंने कहा कि एक वर्ष छह महीने से ज्यादा का समय बीत गया है, यह सरकार हर मुद्दे पर असफल साबित हुई है। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि राजस्थान में कानून नाम की कोई चीज नहीं है। यहां पर माफिया राज बढ़ा है।

जूली ने कहा कि मुख्यमंत्री दर्जनों चक्कर दिल्ली के लगा रहे हैं, पर आज तक प्रदेश के लिए चवन्नी तक नहीं ला पाए। उन्होंने मुख्यमंत्री की नीतियों पर सवाल उठाते हुए कहा कि मुख्यमंत्री कहते हैं कि बजट की कोई कमी नहीं है लेकिन पंचायतों को बजट, पेंशन और छात्रवृत्ति ही नहीं मिल पा रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में हर तरफ लूट-खसोट का माहौल है और जनता बेहाल है। अगर सरकार ने जल्द ठोस कदम नहीं उठाए तो आम जनता खुद इसका जवाब देगी।

अशीर्वाद

राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा करेड़ा स्थित श्री पार्श्वनाथ जैन मंदिर में विधिपूर्वक पूजा-अर्चना कर प्रदेश की समृद्धि, शांति एवं जनकल्याण की मंगलकामना की व मंदिर परिसर में जैन साध्वियों से संवाद कर उनका स्नेहपूर्ण आशीर्वाद प्राप्त किया।

बागड़े ने महाराणा प्रताप की गौरवगाथाओं को नई पीढ़ी से जोड़े जाने का किया आह्वान

जयपुर। राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागड़े ने वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की गौरवगाथाओं को नई पीढ़ी से जोड़े जाने का आह्वान किया हैं। बागड़े ने गुरुवार को महाराणा प्रताप जयंती पर यह आह्वान किया। उन्होंने राजभवन में महाराणा प्रताप की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किए। इस अवसर पर बागड़े ने कहा कि महाराणा प्रताप देश के प्रथम स्वतंत्रता सेनानी योद्धा थे। उन्होंने कहा कि राष्ट्र के प्रति प्रतिबद्ध होकर संघर्ष करते अपना सर्वस्व न्योछावर करने की प्रेरणा किसी राष्ट्र नायक ने हमारे देश में दी है, तो वह महाराणा प्रताप ही हैं। महाराणा प्रताप का संपूर्ण जीवन स्वाभिमान के लिए संघर्ष की प्रेरणा देता है। देश की अस्मिता की रक्षा के लिए उनके योगदान को युगों-युगों तक याद रखा जाएगा। उन्होंने महाराणा प्रताप के शौर्य, वीरता और त्याग को स्मरण करते हुए नई पीढ़ी को उनकी गौरवगाथाओं से अधिकाधिक जोड़ने का आह्वान किया।

'गिग वर्कर्स' के लिए बनाए गए कानून को लागू करे भाजपा सरकार : गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बृहस्पतिवार को सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार से 'गिग वर्कर्स' के कल्याण के लिए पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार द्वारा बनाए गए कानून को लागू करने की मांग की। गहलोत के नेतृत्व वाली कांग्रेस की पूर्व सरकार ने जुलाई 2023 में राजस्थान प्लेटफॉर्म आधारित गिग वर्कर्स (पंजीकरण एवं कल्याण) अधिनियम बनाया था। विभिन्न ऐप आधारित सेवाओं को पहुंचाने वाले श्रमिकों को 'गिग वर्कर्स' कहा जाता है। गहलोत ने 'एक्स' पर कहा, हमें बेहद गर्व और खुशी है कि राहुल गांधी की भावनाओं के अनुरूप वर्ष 2023 में राजस्थान में हमारी कांग्रेस सरकार के दौरान देश में पहली बार 'गिग वर्कर्स वेलफेयर एक्ट' बना, जिसकी दुनियाभर में चर्चा हुई। इस कानून में 'गिग वर्कर्स' के लिए वेलफेयर फंड, इंश्योरेंस, काम के घंटे आदि का प्रावधान है।

उन्होंने कहा, राहुल गांधी देश के कमजोर, श्रमिक, सर्वहारा वर्ग के अधिकारों तथा उन्हें न्याय दिलाने के लिए लंबी लड़ाई लड़ रहे हैं। वर्तमान समय में ओला, उबर, स्विगी, जोमैटो जैसी इंटरनेट आधारित कंपनियों में काम कर रहे लाखों युवाओं की सामाजिक सुरक्षा के लिए राहुल जी प्रयास कर रहे हैं। हम सभी को उनके हाथ मजबूत करने चाहिए।

अब पाकिस्तान के साथ एक ही बात होनी है, पीओके को वापस लेना : मदन दिलावर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रामगंजमंडी। राजस्थान के शिक्षा एवं पंचायत राज मंत्री मदन दिलावर ने भारतीय सेना के ऑपरेशन सिंदूर की प्रशंसा करते हुए कहा है कि पाकिस्तान के साथ अब केवल एक ही बात होनी है और वह है पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) को वापस लेना। दिलावर गुरुवार को कोटा जिले में रामगंजमंडी क्षेत्र के सुकेत में आयोजित सिंदूर तिरंगा यात्रा के समापन अवसर पर आयोजित सभा में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना पाकिस्तान को झलक दिखा भी दी है और अबकी बार यदि पाकिस्तान ने हमला किया तो हम रुकेंगे नहीं।

उन्होंने कहा तुम हमारे निर्दोष लोगों पर गोलियां चलाओ और हम तुम्हें पानी पिलाए यह नहीं हो सकता है। खून और पानी एक साथ नहीं बह सकता। उन्होंने कहा कि मोदी ने पाकिस्तान को जाने वाला सिंधु नदी का पानी रोक दिया। पाकिस्तान गिड़गिड़ा रहा है, पानी दे दो और अब नानी याद आ रही हैं। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान को अपने दोस्त चीन पर बहुत भरोसा था लेकिन भारत के अत्याधुनिक हथियारों के सामने पाकिस्तान की सारी हेकड़ी निकल गई।

हमारी सेना ने पाकिस्तान के अंदर घुसकर एक एक आतंकवादी को चुन चुन कर मारा और मारा भी ऐसा की रोने गिड़गिड़ाने लगे। उन्होंने कहा कि मोदी ने कह दिया है ऑपरेशन सिंदूर अभी रुका नहीं है। यह लगातार जारी है। यदि फिर पाकिस्तान ने कोई गलत हरकत की तो उसको बर्बाद कर दिया जाएगा। हमारी सेना पाकिस्तान का नक्शा ही बदल कर रख देगी। इससे पूर्व सौ मीटर लंबे तिरंगे झंडे के साथ पूरे सुकेत कस्बे में लगभग पांच किलोमीटर लंबी सिंदूर तिरंगा यात्रा निकाली गई।

जासूसी के आरोप में सरकारी कर्मचारी हिरासत में

गोपनीय सूचना के आधार पर खुफिया विभाग की टीम ने बुधवार रात को जैसलमेर में शकूर खान नाम के व्यक्ति को हिरासत में लिया। अधिकारी ने बताया, शकूर खान के बारे में सूचना मिली थी कि वह पाकिस्तान के लिए जासूसी में संलिप्त हो सकता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर । राजस्थान के जैसलमेर जिले में पुलिस ने पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के आरोप में राज्य सरकार के एक कर्मचारी को हिरासत में लिया है। एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने आरोपी के राजनीतिक संबंधों के बारे में कुछ भी कहने से परहेज किया लेकिन सूत्रों ने बताया कि आरोपी कांग्रेस की पूर्व सरकार में मंत्री रहे सालेह मोहम्मद के सहायक (पीए) के रूप में काम कर चुका है। जैसलमेर से ताल्लुक रखने वाले सालेह मोहम्मद गत कांग्रेस सरकार में अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री थे। भाजपा नेताओं ने इस मुद्दे को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधा और मामले की गहन जांच की मांग की।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि गोपनीय सूचना के आधार पर खुफिया विभाग की टीम ने बुधवार रात को जैसलमेर में शकूर खान नाम के व्यक्ति को हिरासत में लिया। अधिकारी ने बताया, शकूर खान के बारे में सूचना मिली थी कि वह पाकिस्तान के लिए जासूसी में संलिप्त हो सकता है। सूचना के आधार पर उस पर निगरानी रखी जा रही थी और उसे कल (बुधवार) रात हिरासत में लिया गया।

उन्होंने बताया कि जैसलमेर में आरोपी से संयुक्त पूछताछ की गई। टीम खान को लेकर जयपुर के लिए रवाना हो गयी, जहां केंद्रीय एजेंसियां उससे पूछताछ करेंगी। शकूर खान जिला रोजगार कार्यालय में अधिकारी है। अधिकारी ने बताया कि खान के फोन नंबरों में कुछ संदिग्ध पाकिस्तानी नंबर मिले हैं। आरोप है कि खान पाकिस्तान के कुछ लोगों के संपर्क में था और जैसलमेर से सुरक्षा संबंधी जानकारियां साझा करता था। इस बीच केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि पूरे मामले की जांच होनी चाहिए और इसमें शामिल सभी लोगों को गिरफ्तार किया जाना चाहिए।

शेखावत ने इस मामले के बारे में पूछे जाने पर उदयपुर में संवाददाताओं से कहा, मीडिया के माध्यम से मुझे इस विषय की जानकारी हुई है कि पूर्व मंत्री सालेह मोहम्मद के पीए को जासूसी के अपराध में पुलिस ने हिरासत में लिया है। ये निश्चित तौर पर चिंता का विषय है। उन्होंने कहा, इसकी (मामले की) ठीक से जांच हो और जितने भी सूत्र उसके साथ जुड़े हैं, उन सबकी जांच करते हुए राष्ट्रीय सुरक्षा के साथ समझौता या खिलवाड़ करने वालों को अपने किए की सजा मिलनी चाहिए। भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष मदन राठौड़ ने उदयपुर में संवाददाताओं से कहा, मुझे जानकारी मिली कि कांग्रेस की पूर्व सरकार में एक मंत्री का पीए पाकिस्तान के लिए काम करता था और यहां से सूचनाएं भिजवाया करता था। यह बड़ी दुर्भाग्यपूर्ण बात है।

उन्होंने कहा, हम उम्मीद करते हैं कि कांग्रेस व इसके नेताओं में भी राष्ट्रभक्ति होनी चाहिए। मंत्री के पास सभी जानकारियां होती हैं और मंत्री के साथ जो पीए लगा रहता है उससे कोई चीज छिपी रहती नहीं है। उसके पास गोपनीय जानकारी भी होती हैं। अगर वह व्यक्ति देश के दुश्मनों के साथ मिलकर उनको इलाके की खुफिया जानकारी दे तो यह चिंताजनक है। राठौड़ ने कहा कि मामले की गहन जांच होनी चाहिए और जो भी दोषी हो उसको दंडित किया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि एक व्यक्ति को पकड़कर उसे दंडित किया जाना पर्याप्त नहीं है बल्कि इसमें कौन-कौन संलिप्त हैं इसका पता कर कठोर कार्रवाई की जानी चाहिए ताकि भविष्य में कोई ऐसा नहीं करे। राठौड़ ने कहा, जांच जा रही है। जांच से सारी स्थिति सामने आ जाएगी। किसी के भी संलिप्त पाए जाने पर उसको दंडित किया जाएगा। पूरा गिरोह भी पकड़ में आएगा।

अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती पर महिलाओं को मिलेंगी कई सौगात

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान सरकार ने अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती के उपलक्ष्य में 31 मई को महिलाओं को कई सौगात देने की घोषणा की है। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गयी। बयान के मुताबिक, सरकार इस मौके पर कार्यक्रम आयोजित करेगी, जिसमें केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा शामिल होंगे। बयान में बताया गया कि अहिल्याबाई होल्कर जयंती पर होने वाले कार्यक्रम में 150 कालिका यूनिट को हरी झंडी दिखाई जाएगी, लाडो प्रोत्साहन योजना के तहत 32,755 बालिकाओं को प्रत्यक्ष राशि हस्तांतरित की जाएगी, 16,944 बालिकाओं को एसटी प्री मैट्रिक, 152 बालिकाओं को सफाई कामगार प्री मैट्रिक छात्रवृत्ति और बालिका दूरस्थ शिक्षा योजना के तहत 30 हजार छात्राओं को फीस पुनर्भरण राशि का हस्तांतरण किया जाएगा।

बयान के मुताबिक, बालिका शिक्षा प्रोत्साहन योजना में राशि हस्तांतरण व लखपति दीदी ऋण योजना में 1800 लाभार्थियों को ऋण दिया जाएगा और 6489 बालिकाओं को गार्गी पुरस्कार एवं कालीबाई भील मेधावी छात्रा स्कूटी योजना के तहत दो हजार छात्राओं को स्कूटी दी जाएगी। बयान में बताया गया कि कार्यक्रम में स्वस्थ नारी चेतना अभियान, गर्भावधि मधुमेह के प्रबंधन कार्यक्रम के प्रथम चरण में 10 जिलों में सुविधाओं की शुरुआत की जाएगी और बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने की दिशा में चार कस्तूरबा गांधी बालिका शिक्षा विद्यालय, दो जनजाति बालिका आश्रम छात्रावास सहित अन्य कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास भी होगा।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को यहां एक बैठक में अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित होने वाले कार्यक्रम के संबंध में दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने बैठक में कहा कि अहिल्याबाई होल्कर द्वारा महिला शिक्षा और महिला सशक्तिकरण की दिशा में किए गए कार्यों से प्रेरणा लेकर राज्य सरकार भी आधी आबादी को सशक्त करने के लिए कल्याणकारी योजनाएं जारी रखे हुए है।

महाराणा प्रताप हमारे लिए प्रेरणापुंज, नई पीढ़ी में आदर्शों का हो संचार : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चित्तौड़गढ़। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि मेवाड़ शक्ति, भक्ति, त्याग और तपस्या की भूमि है। मेवाड़ की धरा स्वाभिमान और शौर्य की एक अमिट मिसाल है। इस भूमि पर आकर अत्यंत गर्व की अनुभूति होती है। उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप हमारे लिए प्रेरणापुंज है, जिन्होंने सदैव सत्य, धर्म और राष्ट्रहित के मार्ग पर चलना सिखाया है। नई पीढ़ी में ऐसे आदर्शों एवं संस्कारों का संचार होना चाहिए। शर्मा गुरुवार को चित्तौड़गढ़ के भूपालसागर में वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप जयंती के अवसर पर मूर्ति अनावरण समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मेवाड़ की इस गौरवशाली धरा की महान विभूतियों वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप, अद्वितीय बलिदान की प्रतिमूर्ति मां पन्नाधाय और वीर योद्धा राणा पूंजा की प्रतिमाओं के अनावरण का यह अवसर आज के दिन को स्वर्णाक्षरों में अंकित करता है। मुख्यमंत्री ने वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप को नमन करते हुए कहा कि महाराणा प्रताप पराक्रमी एवं स्वाभिमानी थे तथा उन्होंने कभी किसी की अधीनता स्वीकार नहीं की। उनका नाम सुनते ही धमनियों में शौर्य और पराक्रम का रक्त प्रवाहित होने लगता है, मस्तक गर्व और स्वाभिमान से ऊंचा हो उठता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार महाराणा प्रताप के संदेश को पूरी दुनिया में पहुंचाने के लिए महाराणा प्रताप के जीवन से जुड़े विभिन्न स्थलों चावंड, हल्दीघाटी, गोगुंदा, कुंभलगढ़, दिवेर एवं उदयपुर आदि को सम्मिलित करते हुए महाराणा प्रताप टूरिस्ट सर्किट विकसित कर रही है ताकि पर्यटक महाराणा प्रताप की शूरवीरता की गाथा अपने साथ लेकर जाए। साथ ही हमारी सरकार प्रदेश में कोच और खेल विशेषज्ञ तैयार करने के लिए महाराणा प्रताप खेल विश्वविद्यालय की स्थापना कर रही है।

'ऑपरेशन सिंदूर' अभी खत्म नहीं हुआ है, पाकिस्तान को घर में घुसकर तीन बार मारा : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अलीपुरद्वार (पश्चिम बंगाल)/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' अभी खत्म नहीं हुआ है और साथ ही उन्होंने चेतावनी दी कि आतंकवाद के प्रायोजकों को भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि पाकिस्तान को पहले ही ''उसके घर में घुसकर तीन बार'' मारा जा चुका है।

'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद पश्चिम बंगाल में अपनी पहली रैली को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने सिंदूर के साथ क्षेत्र के गहरे सांस्कृतिक और भावनात्मक संबंध का जिक्र किया और दुर्गा पूजा के दौरान बंगाली महिलाओं द्वारा मनाए जाने वाले पारंपरिक अनुष्ठान 'सिंदूर खेला' का उल्लेख किया।

मोदी ने कहा, ''मैं सिंदूर खेला की पवित्र भूमि पर खड़ा हूं, तो यह उचित है कि हम आतंकवाद के खिलाफ एक नए संकल्प 'ऑपरेशन सिंदूर' के बारे में बात करें।'' उन्होंने कहा, ''22 अप्रैल को पहलगाम में हुए क्रूर आतंकवादी हमले ने पूरे देश को हिलाकर रख दिया। पश्चिम बंगाल में जो दर्द और गुस्सा है, उसे गहराई से समझा जा सकता है। मैं आपके आक्रोश को महसूस कर सकता हूं।'' उन्होंने कहा, ''आतंकवादियों ने हमारी बहनों के सिंदूर को मिटाने की हिम्मत की। हमारी सेना ने उन्हें सिंदूर की शक्ति का एहसास कराया।'' मोदी ने कहा, ''बंगाल की इस धरती से मैं 140 करोड़ भारतीयों की ओर से घोषणा करता हूं कि 'ऑपरेशन सिंदूर' अभी खत्म नहीं हुआ है।''

पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले के जवाब में भारत ने छह मई को 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू किया था। इस ऑपरेशन में सीमा पार पाकिस्तान में आतंकी ढांचे पर सटीक हमले किए गए थे। भारत की, आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं करने की नीति दोहराते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, ''पहलगाम हमले के बाद भारत ने दुनिया को बता दिया कि अगर अब भारत पर कोई आतंकवादी हमला हुआ तो दुश्मन को इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। पाकिस्तान को समझ लेना चाहिए कि हमने उसके घर में घुसकर तीन बार मारा है।'' मोदी ने स्पष्ट रूप से तीन मौकों का जिक्र नहीं किया, लेकिन उनकी टिप्पणी को उरी आतंकी हमले के बाद 2016 में भारत की सर्जिकल स्ट्राइक, पुलवामा हमले के बाद 2019 में बालाकोट हवाई हमलों और हाल में 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत सीमा पार किए गए हमलों के संदर्भ में देखा जा रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा, ''हमने सीमा पार आतंकी ढांचे को नष्ट कर दिया, जिसके बारे में पाकिस्तान ने कभी सोचा भी नहीं था। हमने पाकिस्तान को उसके घर में घुसकर तीन बार मारा है।'' पाकिस्तान के सैन्य प्रतिष्ठान को निशाने पर लेते हुए प्रधानमंत्री ने पाकिस्तान पर आतंकवाद को संस्थागत रूप देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, ''आतंकवाद व सामूहिक हत्याएं ही पाकिस्तानी सेना की सबसे बड़ी दक्षता हैं। जब भी कोई युद्ध होता है, तो उन्हें हार का सामना करना पड़ता है।''

माओवादियों के भारी मात्रा में विस्फोटक लूटने के मामले की जांच एनआईए ने शुरू की

भुवनेश्वर/राउरकेला/भाषा। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) की टीम ने ओडिशा के सुंदरगढ़ जिले में माओवादियों द्वारा भारी मात्रा में विस्फोटकों की लूट मामले की जांच शुरू कर दी। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

उप महानिरीक्षक (डीआईजी), पुलिस अधीक्षक (एसपी) और एडिशनल एसपी समेत एनआईए के वरिष्ठ अधिकारियों ने राउरकेला का दौरा किया। एनआईए ने मंगलवार को सुंदरगढ़ जिले के बांको में पत्थर खदान में ले जाए जा रहे जिलेटिन के 200 पैकेटों की माओवादियों द्वारा लूट मामले की जांच शुरू कर दी है। पश्चिमी रेंज के डीआईजी बृजेश राय ने राउरकेला में बताया, विस्फोटकों की लूट की जांच के लिए ओडिशा पुलिस एनआईए को सभी आवश्यक सहायता प्रदान कर रही है। उन्होंने बताया कि पुलिस ने विस्फोटक सामग्री ले जा रहे ट्रक के चालक के बयान के आधार पर इस संबंध में मामला दर्ज कर लिया है। यह लूट झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम जिले के सारंडा के जंगलों के निकटवर्ती क्षेत्र में हुई, जिसे माओवादियों का गढ़ माना जाता है। कथित तौर पर सशस्त्र बदमाशों ने ड्राइवर को बंदूक के बल पर धमकाया और जंगल में गाड़ी ले जाने को कहा, जहां माओवादियों के समूह ने चार टन विस्फोटक लूट लिया।

प्रधानमंत्री मोदी ने पटना हवाई अड्डे के नए टर्मिनल भवन का उद्घाटन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को पटना हवाई अड्डे के नये टर्मिनल भवन का उद्घाटन किया और शहर के बाहरी इलाके में स्थित बिहटा हवाई अड्डे पर एक नए असैन्य परिसर की आधारशिला रखी।

अधिकारियों ने बताया कि पटना स्थित जयप्रकाश नारायण अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर नया यात्री टर्मिनल भवन 1,200 करोड़ रुपए की लागत से तैयार किया गया है, जबकि बिहटा हवाई अड्डे पर असैन्य परिसर (सिविल एन्क्लेव) का विकास 1,410 करोड़ रुपए की लागत से किया जाएगा।

प्रधानमंत्री पश्चिम बंगाल से दो दिवसीय दौरे पर बिहार की राजधानी पटना पहुंचे और उन्होंने पटना हवाई अड्डे पर आयोजित एक समारोह में इन परियोजनाओं का अनावरण किया। बिहार में इस साल चुनाव होने हैं।

इस मौके पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी तथा विजय कुमार सिन्हा भी मौजूद रहे।

यहां जारी एक विज्ञप्ति के मुताबिक पटना हवाई अड्डे के नए टर्मिनल का क्षेत्रफल 65,150 वर्ग मीटर है और यह व्यस्त समय में 3,000 यात्रियों और सालाना एक करोड़ यात्रियों को संभालने के लिए विश्व स्तरीय सुविधाओं से लैस है।

इसमें कहा गया है कि भवन का डिजाइन क्षेत्र के परिदृश्य और मिथिला कला से प्रेरित है।

'ऑपरेशन सिंदूर' का राजनीतिकरण कर रहे हैं प्रधानमंत्री : ममता बनर्जी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर 'ऑपरेशन सिंदूर' के जरिये राजनीतिक लाभ लेने की कोशिश करने का आरोप लगाया है।

ममता ने बृहस्पतिवार को केंद्र पर आरोप लगाते हुए कहा, '' केंद्र ने विभिन्न राज्यों में आगामी चुनावों से पहले राजनीतिक लाभ लेने के लिए इस (सैन्य अभियान) का नाम 'ऑपरेशन सिंदूर' रखा।''

'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद पश्चिम बंगाल में अपनी पहली रैली को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने बृहस्पतिवार को सिंदूर के साथ क्षेत्र के गहरे सांस्कृतिक और भावनात्मक संबंध का जिक्र किया और दुर्गा पूजा के दौरान बंगाली महिलाओं द्वारा मनाए जाने वाले पारंपरिक अनुष्ठान 'सिंदूर खेला' का उल्लेख किया।

बनर्जी ने कहा, '' मैं इस बात से निराश हूं कि मोदी ने बंगाल की आलोचना ऐसे समय में की है जब केंद्र के आतंकवाद विरोधी रुख का समर्थन करने के लिए सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल विभिन्न देशों का दौरा कर रहे हैं। ''

सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल में शामिल सांसदों को 'आतंकवादी' कह रही है कांग्रेस : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बृहस्पतिवार को कांग्रेस पर आरोप लगाया कि वह पाकिस्तान को बेनकाब करने के लिए विदेश मिशन पर गए सांसदों की तुलना आतंकवादियों से कर रही है। भाजपा ने इस मामले को लेकर 'सख्त कार्रवाई' की मांग भी की।

इससे पहले कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि वास्तविक और अधिक जरूरी मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए आपातकाल की 50वीं वर्षगांठ मनाने के उद्देश्य से 25-26 जून को संसद का विशेष सत्र बुलाने पर विचार किया जा रहा है।

रमेश ने कथित तौर पर कहा था कि, ''हमारे सांसद भी यहां-वहां घूम रहे हैं और आतंकवादी भी इधर-उधर घूम रहे हैं।'' कांग्रेस नेता की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा, ''जयराम रमेश का कहना है कि सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल में शामिल निर्वाचित सांसद जो विदेशों में पाकिस्तान का पर्दाफाश कर रहे हैं, वास्तव में आतंकवादियों की तरह हैं। जब पाकिस्तान को कूटनीतिक हमले के जरिए घेरा जा रहा है, तो कांग्रेस एक बार फिर पाकिस्तान के पक्ष में बोलने के लिए सामने आई है और सांसदों को आतंकवादी बता रही है।''

भाजपा प्रवक्ता ने कांग्रेस पर आरोप लगाते हुए पूछा कि क्या विदेश दौरे पर गए सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल में शामिल द्रमुक सांसद कनिमोई, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) की सांसद सुप्रिया सुले और समाजवादी पार्टी के सांसद राजीव आतंकवादी हैं।

भाजपा के आरोपों को लेकर कांग्रेस या रमेश की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

पूनावाला ने आरोप लगाया कि रमेश की टिप्पणी पाकिस्तान के खिलाफ भारत के 'कूटनीतिक हमले' का अपमान है। उन्होंने मांग की कि संसद इस मुद्दे पर सख्त कार्रवाई करे। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस नेता की टिप्पणी उनकी पार्टी की 'मानसिकता' को दर्शाती है क्योंकि इसके नेता 22 अप्रैल के पहलगाम आतंकवादी हमले पर पाकिस्तान को 'क्लीन चीट' देने में लगे हुए हैं।

उत्तर प्रदेश: अब संस्कृत भी बन रही बोलचाल की भाषा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश में अब संस्कृत केवल शास्त्रों की भाषा नहीं बल्कि आम बोलचाल की भाषा के रूप में भी तेजी से लोकप्रिय हो रही है।

राज्य सरकार की 'मिस्ड कॉल योजना' ने संस्कृत संभाषण को जन-जन से जोड़ने का कार्य किया है और इस योजना के तहत 1.21 लाख से अधिक लोग पंजीकरण करवा चुके हैं, जबकि 53 हजार से ज्यादा लोगों ने प्रत्यक्ष रूप से प्रशिक्षण प्राप्त किया है। इस योजना के तहत प्रशिक्षण लेने वालों में महिलाओं की भागीदारी भी लगभग 50 प्रतिशत रही, जो यह दर्शाता है कि यह योजना समाज के हर वर्ग में लोकप्रिय हो रही है।

एक बयान के मुताबिक, सिर्फ उत्तर प्रदेश ही नहीं बल्कि देश के विभिन्न राज्यों से भी लोग इस अभियान से जुड़ रहे हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सात फरवरी 2018 को उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान के एक कार्यक्रम में घोषणा की थी कि राज्य के हर विद्यालय में छात्रों को सामान्य संस्कृत में बात-चीत करते हुए देखा जाना चाहिए।

सरकार की 'मिस्ड कॉल योजना' और विभिन्न नवाचारों ने यह सिद्ध कर दिया है कि अगर इच्छाशक्ति और नीति साथ हो, तो कोई भी भाषा पुनर्जीवित हो सकती है।

'मिस्ड कॉल योजना' के तहत 20 दिन तक संवाद और भाषाभ्यास कराया गया तथा इसके साथ ही 10वें दिन संस्कृत के महत्व पर आधारित प्रेरणादायक सत्र आयोजित किए गए। अब तक कुल 523 सत्र कराए जा चुके हैं।

उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान के पूर्व अध्यक्ष डॉ. वाचस्पति मिश्र ने बताया कि मुख्यमंत्री के उद्बोधन से प्रेरणा लेकर संस्कृत संभाषण को लेकर जो प्रयास किए गए उसके उत्साहजनक परिणाम देखने को मिले हैं। उन्होंने बताया कि संस्कृत के प्रति लोगों में जागरूकता आ रही है और बड़ी संख्या में लोग संस्कृत सीखना चाहते हैं।

मिश्र ने बताया, हमें पूरी उम्मीद है कि आगामी कुछ वर्षों में लाखों लोग संस्कृत संभाषण का हिस्सा बनेंगे।

अहिल्याबाई के अखिल भारतीय दृष्टिकोण ने उन्हें लोगों का आदर्श बना दिया : मुख्यमंत्री योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बृहस्पतिवार को कहा कि लोकमाता अहिल्याबाई के अखिल भारतीय दृष्टिकोण ने उन्हें देश भर में सुशासन, सुरक्षा और सुव्यवस्था का एक आदर्श बना दिया।

योगी लखनऊ स्थित जीपीओ पार्क में अहिल्याबाई होल्कर के 300वीं जयंती के मौके पर 'स्मृति अभियान' 2025 के तहत आयोजित प्रदर्शनी के उद्घाटन के बाद समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, लोकमाता अहिल्याबाई के अखिल भारतीय दृष्टिकोण ने उन्हें देशभर में सुशासन, सुरक्षा और सुव्यवस्था का एक आदर्श बना दिया। उनका कालखंड भारतीय नारी शक्ति, सामाजिक न्याय और लोककल्याण की जीती-जागती मिसाल है।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर अहिल्याबाई होल्कर के व्यक्तित्व और कृतित्व को भारतीय समाज के लिए प्रेरणास्रोत बताते हुए कहा कि यह प्रदर्शनी पूरे प्रदेश को लोकमाता के विराट योगदान से परिचित कराएगी और साथ ही सामाजिक समरसता, राष्ट्रीय एकता व लोककल्याण के लिए किए गए उनके अद्वितीय कार्यों से प्रेरणा प्राप्त करने का अवसर देगी। एक बयान के मुताबिक, इस अभियान के तहत 21 से 31 मई तक गोष्ठियों, निबंध लेखन प्रतियोगिताओं, प्रदर्शनी, नाट्य शृंखलाओं, लोकगीत कार्यक्रमों आदि का आयोजन किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने लोकमाता अहिल्याबाई के कालखंड को प्रत्यक्ष रूप से नहीं देखा लेकिन उनके आदर्शों का जीवंत दर्शन पिछले 11 वर्षों से प्रधानमंत्री मोदी की कार्यपद्धति के माध्यम से हमें हो रहा है।

मोदी सरकार ने एमएसपी बढ़ाने के नाम पर किसानों से धोखा किया: कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने धान और दालों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में वृद्धि करने की मोदी सरकार की घोषणा के बाद बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि किसानों के साथ धोखा किया गया।

पार्टी महासचिव रणदीप सुरजेवाला ने कहा कि मोदी सरकार एमएसपी पर 'सी2+50 प्रतिशत' देने की बात कर रही है, लेकिन सच्चाई इसके उलट है।

केंद्र ने एक अहम कदम के तहत, 2025-26 खरीफ सत्र के लिए धान के एमएसपी को तीन प्रतिशत (69 रुपए) बढ़ाकर 2,369 रुपए प्रति क्विंटल कर दिया और दलहन और तिलहन की दरों में नौ प्रतिशत तक की वृद्धि की।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीईए) की बैठक में नये खरीफ सत्र के लिए एमएसपी पर कृषि मंत्रालय के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई।

सुरजेवाला ने बृहस्पतिवार को संवाददाताओं से कहा, ''मोदी सरकार द्वारा कल एमएसपी की घोषणा हुई, जिसमें बड़ी-बड़ी बातें हुईं, लेकिन सच्चाई आपके सामने है। देश के किसान लागत+50 प्रतिशत मुनाफे के नाम पर ठगे जा रहे हैं। एमएसपी पर फसल खरीद के लिए आंसू बहा रहे हैं और मोदी जी किसान की आय की वृद्धि के जुमले सुना रहे हैं।'' उन्होंने आरोप लगाया, ''मोदी सरकार ने किसान और खेती पर घात लगाकर हमला किया है। जुमले का व्यापार है, वादों की घोषणा है, योजनाओं का अंबार है और किसानों में हाहाकार है।

लालू प्रसाद, राबड़ी देवी और तेजस्वी के खिलाफ अदालत ने आरोप तय करने पर फैसला सुरक्षित किया

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली की एक अदालत ने भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) में कथित अनियमितताओं से जुड़े एक मामले में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) अध्यक्ष लालू प्रसाद, उनकी पत्नी राबड़ी देवी, उनके बेटे तेजस्वी यादव और अन्य के खिलाफ आरोप तय करने के बारे में बृहस्पतिवार को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया।

विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने ने आरोपों पर बहस पूरी होने के बाद 23 जुलाई के लिए आदेश सुरक्षित रख लिया, साथ ही आरोपियों को एक सप्ताह के भीतर अपनी दलीलों का संक्षिप्त सारांश दाखिल करने का निर्देश दिया।

प्रधानमंत्री के दावे पर तृणमूल कांग्रेस ने किया पलटवार, पांच सवाल पूछे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर भाजपा नीत केंद्र सरकार की विफलताओं से ध्यान भटकाने का आरोप लगाते हुए तृणमूल कांग्रेस ने बृहस्पतिवार को पश्चिम बंगाल को कथित रूप से प्रभावित करने वाले संकटों के बारे में प्रधानमंत्री की टिप्पणी के जवाब में पांच 'प्रति-प्रश्न' पूछे।

'एक्स' पर एक पोस्ट में पार्टी ने प्रधानमंत्री से सबसे पहले मणिपुर में 'अव्यवस्था को ठीक करने' का आह्वान किया, जहां दो वर्षों से अधिक समय से कानून और व्यवस्था की गंभीर समस्याएं बनी हुई हैं। तृणमूल कांग्रेस ने अपने आधिकारिक 'एक्स' हैंडल पर कहा, ''मोदी जी ने पांच संकट गिनाए हैं। आइए तथ्यों पर बात करें।'' अन्य सवालों पर बात करते हुए पार्टी ने कहा, ''महिला सुरक्षा? उन्नाव से हाथरस तक भाजपा का ट्रैक रिकॉर्ड चुप्पी और शर्म से भरा हुआ है।''

क्षेत्रीय दल ने कहा, ''युवाओं में निराशा है? पेपर लीक, नीट घोटाला और 45 प्रतिशत बेरोजगारी - विद्यार्थियों को भाजपा का राष्ट्रीय उपहार है।''

दादी ने पांच माह की पोती का ब्लेड से गला रेता, बहू को सबक सिखाना चाहती थी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सहारनपुर (उप्र)/भाषा। सहारनपुर जिले के गागलहेड़ी थाना क्षेत्र के ग्राम कुतुबपुर कुसेनी में पुत्रवधू को सबक सिखाने के लिए सास ने पति और बेटी के साथ मिलकर पांच माह की पोती की कथित तौर पर गला रेतकर हत्या कर दी। बच्ची की दादी-दादा और बुआ को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

पुलिस के अनुसार सास और बहू के बीच लंबे समय से झगड़ा चल रहा था और महिला अपनी पुत्रवधू को सबक सिखाना चाहती थी। पुलिस ने कहा कि इसी रंजिश में सास ने पति और बेटी के साथ मिलकर बुधवार को कथित अपराध को अंजाम दिया।

सहारनपुर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) रोहित सजवाण ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि ग्राम कुतुबपुर कुसेनी में पांच माह की इशिका की गला रेतकर उस समय हत्या कर दी गई जब वह अपनी मां शिवानी के साथ घर में सोई हुई थी। उन्होंने बताया कि सुबह जब शिवानी उठी तो उसने बच्ची को खून में लथपथ पाया जिसके बाद परिजन उसे लेकर चिकित्सालय पहुंचे जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

सजवाण ने बताया कि शिवानी का पति केरल में सैलून चलाता है और वही रहता है। उन्होंने कहा कि पुलिस ने जब मामले में जांच शुरू की तो संदेह घर के सदस्यों पर गया क्योंकि 14 लोगों के परिवार में किसी बाहरी के आकर वारदात को अंजाम देने की संभावना नहीं दिखी। सजवाण ने कहा कि पुलिस पूछताछ में बच्ची की दादी सरिता ने वारदात को अंजाम देने की बात स्वीकार की और उसने बताया कि वह पोती की हत्या कर बहू को झूठे मुकदमे में फंसाना चाहती थी।

एसएसपी ने बताया कि सरिता ने रात को चाय में नींद की दवा मिलाकर शिवानी को पिला दी ताकि वह जाग न सके और तड़के चार बजे वह बहू के कमरे में गई और उसने इशिका का मुंह दबाकर पति धर्मेंद्र द्वारा दिये गये ब्लेड से उसका गला रेत दिया।

एसएसपी के अनुसार शिवानी ने पुलिस में तहरीर दी है जिसमें आरोप लगाया है कि उसने सास को किसी अन्य व्यक्ति के साथ आपत्तिजनक हालत में देख लिया था, जिसके बाद से वह उससे रंजिश रखती थी।

सजवाण ने बताया कि तहरीर के आधार पर पुलिस ने दादी सरिता, ससुर धर्मेंद्र और उनकी बेटी, तीनों को गिरफ्तार कर लिया है। उन्होंने बताया कि पुलिस ने बच्ची की हत्या में प्रयुक्त ब्लेड को भी बरामद कर लिया है। उन्होंने बताया कि इस मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है।

बजरंग ने कोच नरेश दहिया की छवि खराब करने के लिए उनसे माफी मांगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। ओलंपिक पदक विजेता बजरंग पूनिया ने भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के पूर्व प्रमुख बृज भूषण शरण सिंह के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के दौरान कुश्ती कोच नरेश दहिया की छवि धूमिल करने के लिए बिना शर्त माफी मांगी है।

टोक्यो ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता बजरंग ने विनेश फोगाट और साक्षी मलिक के साथ मिलकर बृज भूषण शरण सिंह के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया था जिसमें उन पर कई जूनियर महिला पहलवानों के यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया गया था। बजरंग ने 10 मई 2023 को जंतर मंतर पर धरने के दौरान प्रेस कांफ्रेंस में कहा था कि नरेश दहिया खुद बलात्कार के आरोपी हैं इसलिए उन्हें उनके विरोध प्रदर्शन पर सवाल उठाने का कोई अधिकार नहीं है। इसके बाद दहिया ने बजरंग को अदालत में घसीटकर मानहानि का मुकदमा दायर किया था। बजरंग को अदालत ने समन जारी किया था और उन्हें चौथी सुनवाई में जमानत भी दे दी थी। बजरंग ने 17 मई को कोच से माफी मांगी और खेद जताया। बजरंग ने माफीनामे में कहा, ''मैं जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन के समय हुई प्रेस कांफ्रेंस के दौरान कोच नरेश दहिया के खिलाफ दिए गए गलत और असंवेदनशील बयान के लिए बिना शर्त माफी मांगता हूं।'' इसकी प्रति पीटीआई के पास है। उन्होंने कहा, ''मैं कोच नरेश दहिया की छवि को हुए नुकसान और उनके खिलाफ मेरे गलत और असंवेदनशील बयान के कारण उनके प्रियजनों को हुए दर्द और पीड़ा के लिए गहरा खेद व्यक्त करता हूं। वह प्रतिष्ठित कोच हैं और उन्होंने देश को सर्वश्रेष्ठ दिया है। मैं फिर खेद व्यक्त करते हुए उनसे और उनके प्रियजनों से दिल से माफी मांगता हूं।''

सुविचार

**मिलता तो बहुत कुछ है इस ज़िन्दगी में,
बस हम गिनती उसी की करते है
जो हासिल ना हो सका।**

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

अपनत्व का मरहम लगाएं

पहलगाम आतंकी हमले से जम्मू-कश्मीर के पर्यटन उद्योग को बड़ा नुकसान हुआ है। इस सीजन में जो इलाके पर्यटकों से गुलजार रहते थे, आज वहां सन्नाटा पसरा हुआ है। श्रीनगर, गुलमर्ग और अन्य स्थानों की 80 से 90 प्रतिशत बुकिंग रद्द हो चुकी हैं। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और अन्य नेता पर्यटन उद्योग को वापस खड़ा करने के लिए कितने ही वादे करें, जब तक पर्यटक सुरक्षित महसूस नहीं करेंगे, वे क्यों आएंगे? पर्यटकों की सुरक्षा की जिम्मेदारी सिर्फ सुरक्षा बलों की नहीं होती। स्थानीय लोगों को भी सुरक्षित माहौल बनाने में योगदान देना होता है। इन दिनों सोशल मीडिया पर ऐसे कई वीडियो वायरल हो रहे हैं, जिनमें कश्मीर के निवासी अपनी मेहमान-नवाजी का जिक्र करते हुए पर्यटकों से आग्रह कर रहे हैं कि वे भविष्य में वहां पर्यटन के लिए जरूर आएं। जम्मू-कश्मीर भारत मां का मुकुट है। जब स्थिति सामान्य हो जाएगी तो वहां पर्यटक जाएंगे। सवाल है- क्या जम्मू-कश्मीर में सिर्फ पर्यटकों को जाना चाहिए? स्थानीय लोगों को चाहिए कि वे ऐसा आग्रह पर्यटकों से ही न करें, बल्कि कश्मीरी पंडितों से भी करें। कश्मीर उनकी भी मातृभूमि है। स्थानीय लोग ऐसे माहौल का निर्माण करें कि भविष्य में कश्मीरी पंडित वहां रहें और सुरक्षित महसूस करें। पाकिस्तान ने कश्मीर में अशांति फैलाने के लिए बहुत षड्यंत्र रचे हैं। उनमें से कुछ सफल हुए हैं। कश्मीरी पंडितों का उत्पीड़न और पर्यटन उद्योग को क्षति पहुंचाने की कोशिशें उसी का हिस्सा हैं। पाकिस्तान और उसके इशारों पर चलने वाले आतंकवादी चाहते हैं कि कश्मीर में न तो पंडित दोबारा बसें और न पर्यटक आएं। अब स्थानीय लोगों पर बहुत बड़ी जिम्मेदारी आ गई है कि वे शांति और सूझबूझ से दुश्मन के नापाक मंसूबों को विफल बनाएं।

प्राय: यह तर्क दिया जाता है कि कश्मीर घाटी में सुरक्षा बलों की संख्या बढ़ानी चाहिए, इससे सुरक्षा व्यवस्था मजबूत होगी और भविष्य में पर्यटन बढ़ेगा। हालांकि यह तर्क अपनेआप में पर्याप्त नहीं है। घाटी में सुरक्षा बलों की कितनी तादाद होनी चाहिए, यह कई बातों पर निर्भर करता है। इसका फैसला केंद्र सरकार लेगी। जहां तक इससे पर्यटन बढ़ने का सवाल है तो आम पर्यटक ऐसी जगह जाना कम ही पसंद करता है, जिधर ज्यादा तादाद में सैनिक तैनात हों। आसान शब्दों में कहें तो बंदूकों के साए में पर्यटन नहीं पनपता। सुरक्षा बल एक निश्चित तादाद में होने चाहिएं। इससे पर्यटकों में सुरक्षा की भावना पैदा होती है। इसके बाद स्थानीय लोगों की जिम्मेदारी होती है कि वे पर्यटकों के साथ मिलनसार स्वभाव रखते हुए सुरक्षा व्यवस्था को स्थायी बनाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाएं। स्थानीय लोगों के सहयोग से ही हालात बेहतर हो सकते हैं, पर्यटकों के मन में विश्वास पैदा हो सकता है। आज न्यूजीलैंड, नॉर्वे, डेनमार्क, स्पेन, इटली, स्विटजरलैंड, थाईलैंड, यूएई, जापान जैसे देश पर्यटन के दम पर खूब कमाई कर रहे हैं। दुनियाभर में लोगों का सपना होता है कि एक बार वहां जरूर घूमकर आएं। इन देशों में पर्यटक सुरक्षित महसूस करता है, क्योंकि स्थानीय लोगों ने वैसा माहौल बनाया है। वे पर्यटकों को खोने का जोखिम नहीं ले सकते। जब एक पर्यटक कहीं जाता है तो वह कई लोगों के लिए रोजगार के अवसरों का सृजन करता है। सोचिए, अगर इन देशों में सख्त फौजी पहरा लगा होता तो कितने लोग वहां जाना पसंद करते? सुरक्षा बलों की मौजूदगी किसी इलाके को निश्चित रूप से सुरक्षित बनाती है, लेकिन पर्यटकों के मन में सुरक्षा की स्थायी भावना स्थानीय लोग ही जगा सकते हैं। जम्मू-कश्मीर को जो घाव आतंकवादियों ने दिया है, उसे भरने में समय लगेगा। इस पर अपनत्व का मरहम लगाना होगा। पर्यटकों का खुले दिल से स्वागत करना होगा, कश्मीरी पंडितों को भी बसाना होगा।

ट्वीटर टॉक

स्वाभिमान, साहस और शौर्य की अमर ज्वाला, मेवाड़ मुकुटमणि, वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप जी की जयंती पर कोटि - कोटि नमन। मातृभूमि के लिए महाराणा प्रताप का अथक संघर्ष एवं जीवटता मेवाड़ और राजस्थान सहित संपूर्ण भारत को गौरवान्वित करती है।

-ओम बिरला

भारत माता के अमर सपूत, 'हिंदुआ सूर्य', वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की पावन जयंती के उपलक्ष्य पर आज भूपालसागर में आयोजित सभा को संबोधित किया और पूज्य साधु-संतों का सान्निध्य एवं आशीर्वाद प्राप्त किया।

-भजनलाल शर्मा

हमें बेहद गर्व तथा खुशी है कि श्री राहुल गांधी की भावनाओं के अनुरूप वर्ष 2023 में राजस्थान में हमारी कांग्रेस सरकार के दौरान देश में पहली बार गिग वर्कर्स वेलफेयर एक्ट बना जिसकी दुनियाभर में चर्चा हुई। गिगवर्कर्स के काम के घंटे आदि का प्रावधान है।

-अशोक गहलोत

प्रेरक प्रसंग

दया की शक्ति

नेपोलियन बोनापार्ट को अपने सैनिकों से गहरा लगाव था। एक बार की घटना है, नेपोलियन की सेना में एक सैनिक को देशद्रोह के आरोप में मृत्युदंड सुनाया गया। जब यह बात उस सैनिक की वृद्ध मां को पता चली, तो वह नेपोलियन से मिलने पहुंची। वह कांपती आवाज में बोली, 'मेरा बेटा अपराधी हो सकता है, पर वह एक अच्छा बेटा भी है। उसे एक मौका दें।' नेपोलियन ने गंभीरता से कहा, 'आपका बेटा देश से गद्दारी का दोषी है और न्याय की दृष्टि से उसे क्षमा नहीं किया जा सकता।' मां ने उत्तर दिया, 'मैं न्याय की नहीं, दया की याचना कर रही हूं।' नेपोलियन इस उत्तर से इतना प्रभावित हुआ कि वह चुप हो गया। थोड़ी देर बाद बोला, 'ठीक है, उसे एक अवसर मिलेगा। दया भी एक शक्ति है।' नेपोलियन ने सैनिक की सजा माफ कर दी और उसे पुनः सेना में बहाल किया। वह सैनिक बाद में नेपोलियन की सबसे वफादार टुकड़ियों में शामिल रहा और कई युद्धों में वीरता से लड़ा।

सामयिक

जनसंचार का सशक्त माध्यम है हिन्दी पत्रकारिता

योगेश कुमार गोयल

पूर्व राष्ट्रपति डा. शंकर दयाल शर्मा ने लोकतंत्र में प्रेस की भूमिका के बारे में कहा था कि प्रेस पर लोकतांत्रिक परम्पराओं की रक्षा करने और शांति व भाईचारा बढ़ाने की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। राष्ट्रीय अखण्डता के संदर्भ में पत्रकारिता की भूमिका की बात करें तो लोकतंत्र के अन्य स्तंभों के मुकाबले प्रेस की भूमिका कितनी महत्वपूर्ण है, इसका अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि विश्वभर में भारत की प्रतिष्ठा के जो तीन प्रमुख कारण माने गए हैं, वे हैं जागरूक मतदाता, स्वतंत्र न्यायपालिका व स्वतंत्र प्रेस। भारत में प्रेस को जनता की एक ऐसी 'संसद' की उपाधि दी गई है, जिसका कभी सत्रावसान नहीं होता और जो सदैव जनता के लिए ही कार्य करती है। इसे समाज में परिवर्तन लाने का अथवा उसे जागृत करने के लिए जन संचार का सशक्त माध्यम माना गया है। प्रेस को समाज की चिंतन प्रक्रिया का एक ऐसा अनिवार्य तत्व माना गया है, जो उसे दिशा व गति देने में सक्षम हो। इसे जनता की ऐसी आंख माना गया है, जो सभी पर अपनी पैनी और निष्पक्ष दृष्टि रखे। प्रेस को जनता की उंगली माना गया है, जो गलत कार्यों के विरोध में स्वतः ही उठ जाती है। प्रेस को समाज के प्रति पूर्ण समर्पण के रूप में देखा जाता है। इसे केवल एक पेशा न मानकर जनसेवा का सबसे बड़ा माध्यम माना गया है।

प्रेस की भूमिका पर टिप्पणी करते हुए राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने कहा था, ''प्रेस का प्रथम उद्देश्य जनता की इच्छाओं व विचारों को समझना और उन्हें सही ढ़ंग से व्यक्त करना है जबकि दूसरा उद्देश्य जनता में वांछनीय भावनाओं को जागृत करना और तीसरा उद्देश्य सार्वजनिक दोषों को निर्भयतापूर्वक प्रकट करना है।'' वैसे भारत-पाक युद्ध का उल्लेख करें अथवा भारत-चीन लड़ाई का या अन्य चुनौतीपूर्ण अवसरों का, प्रेस ने ऐसे हर अवसर पर अपनी महत्ता सिद्ध की है और कहना गलत न होगा कि हिन्दी पत्रकारिता का स्थान इसमें सर्वोपरि रहा है। चाहे हिन्दी भाषी टीवी चैनलों की बात हो या हिन्दी के समाचारपत्र अथवा पत्रिकाओं की, उनका देश की बहुसंख्यक आबादी के साथ विशेष जुड़ाव रहा है और इस दृष्टि से राष्ट्र की एकता, अखण्डता एवं विकास की दिशा में हिन्दी पत्रकारिता की भूमिका को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। हालांकि हिन्दी पत्रकारिता के 199 वर्षों के इतिहास में समय के साथ पत्रकारिता के मायने और उद्देश्य बदलते रहे हैं किन्तु उसके बावजूद सुखद स्थिति यह है कि हिन्दी पत्रकारिता के पाठकों या दर्शकों की रूचि में कोई कमी नहीं आई। यह अलग बात है कि अंग्रेजी मीडिया और उससे जुड़े कुछ पत्रकारों ने भले ही हिन्दी पत्रकारिता की उपेक्षा करते हुए सदैव उसकी प्रामाणिकता एवं विश्वसनीयता पर सवाल उठाने की कोशिशें की हैं किन्तु वास्तविकता यही है कि पिछले कुछ दशकों में हिन्दी पत्रकारिता ने अपनी ताकत का बखूबी अहसास कराया है और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी उसकी विश्वसनीयता बढ़ी है। यह हिन्दी पत्रकारिता की बढ़ती ताकत का ही नतीजा है कि कुछ हिन्दी अखबारों ने अनेक संस्करणों के साथ प्रसार संख्या के मामले में कुछ अंग्रेजी अखबारों को भी पीछे छोड़ दिया है।

हिन्दी पत्रकारिता की शुरूआत 30 मई 1826 को कानपुर निवासी पं. युगुल किशोर शुक्ल द्वारा प्रथम हिन्दी समाचार पत्र 'उदन्त मार्तण्ड' के प्रकाशन के साथ हुई थी, जिसका अर्थ था 'समाचार सूर्य'। उस समय अंग्रेजी, फारसी और बांग्ला में कई समाचारपत्र निकल रहे थे किन्तु हिन्दी का पहला समाचारपत्र 'उदन्त मार्तण्ड' 30 मई 1826 को कलकत्ता से पहली बार प्रकाशित हुआ था, जो साप्ताहिक के रूप में आरंभ किया गया था। पहली बार उसकी केवल 500 प्रतियां ही छापी गई थी लेकिन चूंकि कलकत्ता में हिन्दी भाषियों की संख्या काफी कम थी और इसके पाठक कलकत्ता से बहुत दूर के भी होते थे, इसीलिए संसाधनों की कमी के कारण यह लंबे समय तक प्रकाशित नहीं हो पाया। 4 दिसम्बर 1826 से 'उदन्त मार्तण्ड' का प्रकाशन बंद कर दिया गया लेकिन इस समाचारपत्र के प्रकाशन के साथ ही हिन्दी पत्रकारिता की ऐसी नींव रखी जा चुकी थी कि उसके बाद से हिन्दी पत्रकारिता ने अनेक आयाम स्थापित किए हैं। 'उदन्त मार्तण्ड' के बाद अंग्रेजी शासनकाल में अनेक हिन्दी समाचारपत्र व पत्रिकाएं एक मिशन के रूप में निकलते गए किन्तु ब्रिटिश शासनकाल की ज्यादतियों के चलते उन्हें लंबे समय तक चलाते रहना बड़ा मुश्किल था, फिर भी कुछ पत्र-पत्रिकाओं ने सराहनीय सफर तय किया। अब परिस्थितियां बिल्कुल बदल चुकी हैं और हिन्दी पत्रकारिता भी मिशन न रहकर एक बड़ा व्यवसाय बन गई है किन्तु अच्छी बात यह है कि आज भी हिन्दी पाठक व दर्शक अपनी-अपनी पसंद के अखबारों व चैनलों के साथ पूरी शिद्दत से जुड़े हैं।

जहां तक राष्ट्रीय अखंडता में प्रेस की भूमिका और इसके दायित्वों का प्रश्न है तो प्रेस के कई प्रमुख दायित्व माने गए हैं, जिनमें कानून व्यवस्था की खामियों को प्रकाशित-प्रसारित करना, अपने प्रयासों से शासन को सुव्यवस्थित करना व लोक हितकारी बनाना, पथभ्रष्टों को सन्मार्ग पर लाना, भ्रष्ट तंत्र को चौकन्ना बनाना, असामाजिक तत्वों पर कड़ी नजर रखना, समाज के विभिन्न क्षेत्रों में पर्दे की ओट में होने वाले दुष्कृत्यों, अत्याचारों व अन्याय का जनहित में पर्दाफाश करना, समाज व मानवता के गुनाहगार चेहरों पर पड़े नकाब नोचकर जनता के सामने लाना, निजी स्वार्थों की पूर्ति के लिए धार्मिकता एवं राजनीति की आड़ लेने वालों के राज पर्दाफाश करना, समाज में स्वस्थ मानक स्थापित करना, लोक चेतना जागृत करना इत्यादि शामिल हैं।

बहरहाल, घर बैठे-बैठे दुनिया की सैर कराने की बात हो या देश-विदेश की हर छोटी-बड़ी हलचल से लेकर तमाम ज्वलंत मुद्दों और हर प्रकार की नवीनतम जानकारियों को जुटाकर अपने पाठकों या दर्शकों के सामने प्रस्तुत करने की, व्यवसायीकरण के आरोपों या तमाम विरोधाभासों के बावजूद हिन्दी पत्रकारिता यह काम बखूबी कर रही है और आमजन के भरोसे पर खरा उतरते हुए हिन्दी पत्रकारिता आज आम जनजीवन का अभिन्न अंग बन चुकी है। अधिकांश हिन्दी समाचारपत्रों के अब ऑनलाइन संस्करण उपलब्ध हैं। विगत कुछ वर्षों में देश में बड़े-बड़े घोटालों का पर्दाफाश करके अनेक सफेदपोशों के चेहरों पर पड़े नकाब उतार फैंकने का श्रेय भी पत्रकारिता जगत को ही जाता है, जिसमें हिन्दी पत्रकारिता की भूमिका को भी किसी भी लिहाज से कमतर नहीं आंका जा सकता।

जहां तक राष्ट्रीय अखंडता में प्रेस की भूमिका और इसके दायित्वों का प्रश्न है तो प्रेस के कई प्रमुख दायित्व माने गए हैं, जिनमें कानून व्यवस्था की खामियों को प्रकाशित-प्रसारित करना, अपने प्रयासों से शासन को सुव्यवस्थित करना व लोक हितकारी बनाना, पथभ्रष्टों को सन्मार्ग पर लाना, भ्रष्ट तंत्र को चौकन्ना बनाना, असामाजिक तत्वों पर कड़ी नजर रखना, समाज के विभिन्न क्षेत्रों में पर्दे की ओट में होने वाले दुष्कृत्यों, अत्याचारों व अन्याय का जनहित में पर्दाफाश करना, समाज व मानवता के गुनाहगार चेहरों पर पड़े नकाब नोचकर जनता के सामने लाना, निजी स्वार्थों की पूर्ति के लिए धार्मिकता एवं राजनीति की आड़ लेने वालों के राज पर्दाफाश करना, समाज में स्वस्थ मानक स्थापित करना, लोक चेतना जागृत करना इत्यादि शामिल हैं। वर्तमान में जहां देशभर में नैतिक मूल्यों में बड़ी गिरावट आई है और राजनीतिज्ञों, विधायिका, कार्यपालिका तथा न्यायिक व्यवस्था पर से लोगों का विश्वास कम हो रहा है, वहीं हिन्दी पत्रकारिता भी इस नैतिक पतन का शिकार होने से नहीं बची है।

फिर भी इतना संतोष तो किया ही जा सकता है कि इसने इसके बावजूद अधिकांश अवसरों पर सराहनीय भूमिका निभाई है। हालांकि आज के पूर्ण व्यावसायिकता के दौर में पत्रकारिता को अव्यावसायिक बनाए रखने की बात करना बेमानी होगा क्योंकि इस पेशे से जुड़े लोगों को भी अपने परिवार के पालन-पोषण के लिए इसे एक व्यवसाय के रूप में अपनाना अनिवार्य होता गया है लेकिन व्यावसायिकता के इस दौर में भी इसे एक उद्योग-धंधे के रूप में स्थापित करने के प्रयासों के चलते पत्रकारिता के मानदंडों को ताक पर रखने की प्रवृति से तो हर हाल में बचना ही चाहिए।

नजरिया

संवेदनहीनता की राजनीति का बढ़ता संकट

संवेदनशीलता, सहानुभूति और मानवीयता, ये तीन मूल्य किसी भी राष्ट्र की आत्मा होते हैं। यदि हमारे जनप्रतिनिधि ही इन मूल्यों का अपमान करने लगें, तो यह केवल राजनीति का पतन नहीं, बल्कि सभ्यता के क्षरण की ओर संकेत है। अतः यह आवश्यक है कि समाज, मीडिया, और राजनीति, तीनों मिलकर ऐसी सोच और ऐसे वक्तव्यों का विरोध करें जो पीड़ितों को ही दोषी ठहराने की धृष्टता करते हैं। अब समय आ गया है जब जनता यह स्पष्ट कर दे कि उसे प्रतिनिधि चाहिए प्रवक्ता नहीं, संवेदना चाहिए, बयान नहीं और नेतृत्व चाहिए, उपहास नहीं। तभी हम एक संवेदनशील, उत्तरदायी और मानवीय लोकतंत्र की ओर अग्रसर हो सकेंगे।

गंगा पाण्डेय

लोकतंत्र में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता एक अमूल्य अधिकार है, परंतु जब यह स्वतंत्रता संवेदनहीनता का रूप ले ले, तब वह न केवल सामाजिक ताने-बाने को चोट पहुंचाती है, बल्कि मानवता के मूल्यों को भी अपमानित करती है। हाल ही में पहलगाम में हुए आतंकी हमले के संदर्भ में भाजपा के राज्यसभा सांसद रामचंद्र जांगड़ा के बयान ने इसी तरह की असंवेदनशीलता को उजागर किया। उनके अनुसार, यदि हमले में मारे गए लोग औरतों की तरह नहीं बल्कि 'वीरांगनाओं' की भांति प्रतिक्रिया करते तो शायद वे मारे नहीं जाते और आतंकी भी मारे जाते। यह बयान केवल पीड़ितों के प्रति उपेक्षा ही नहीं दर्शाता, बल्कि आतंकवाद की जटिलता को भी सरलीकृत कर एक अजीब तरह का दोषारोपण प्रस्तुत करता है।

जब किसी आतंकी हमले में निर्दोष आम नागरिक मारे जाते हैं, तो देश की संवेदना उनके साथ होनी चाहिए। ऐसे समय में जनता के प्रतिनिधियों की जिम्मेदारी होती है कि वे न केवल शोक में सहभागी बनें, बल्कि पीड़ितों को संबल भी दें। परंतु जब ऐसे प्रतिनिधि उल्टे पीड़ितों को ही अप्रत्यक्ष रूप से दोषी ठहराएं, तो यह न केवल नैतिक पतन को दर्शाता है बल्कि समाज में अराजकता और असहिष्णुता को भी बढ़ावा देता है। रामचंद्र जांगड़ा का यह बयान न केवल असंवेदनशील था, बल्कि आतंकवाद जैसे जटिल मुद्दे पर उनकी अज्ञानता का भी प्रमाण था।

उनका कहना था कि अगर महिलाएं वीरांगनाओं की तरह लड़तीं, तो हमला टाला जा सकता था। यह कथन न केवल लिंगभेदपूर्ण है, बल्कि व्यावहारिक यथार्थ से भी परे है। आतंकवादी हमले योजनाबद्ध, सुसंगठित और अत्याधुनिक हथियारों से लैस होते हैं। आम नागरिक, विशेषकर महिलाएं, जिनके पति आतंक का शिकार हो चुके हों, उनसे ऐसी वीरता की अपेक्षा करना एक प्रकार की क्रूर विडंबना है। यह उन स्त्रियों के दुःख और मानसिक आघात को नकारने जैसा है, जिन्होंने अपने परिजनों को खोया है।

इस प्रकार का वक्तव्य केवल जांगड़ा का पहला मामला नहीं है। इससे पहले भी अनेक बार नेताओं ने आतंकवादी हमलों या किसी राष्ट्रीय आपदा के बाद ऐसे बेतुके और अपमानजनक बयान दिए हैं। कभी पीड़ितों के पहनावे पर सवाल उठाया जाता है, तो कभी उनकी जीवनशैली को दोषी ठहराया जाता है। इन सबके पीछे एक ही मानसिकता कार्यरत है- सत्ता के घमंड में चूर, आम जनता के दुःख से विमुख, और घटनाओं को राजनीतिक लाभ की दृष्टि से देखने की प्रवृत्ति। यह प्रवृत्ति न केवल अमानवीय है, बल्कि लोकतंत्र के मूल्यों के भी विपरीत है। यह भी देखा गया है कि जब ऐसे बयान सार्वजनिक आलोचना का शिकार होते हैं, तो नेता या तो बयान से मुकर जाते हैं या उसे तोड़-मरोड़ कर गलत तरीके से प्रस्तुत किए जाने का आरोप लगा देते हैं। किंतु प्रश्न यह है कि क्या एक जनप्रतिनिधि को यह अधिकार है कि वह पीड़ितों की पीड़ा को अपमानित करे और फिर 'स्पष्टीकरण' के माध्यम से खुद को निर्दोष घोषित कर दे? क्या यह देश की जनता के साथ एक प्रकार का मजाक नहीं है?

इस समूचे प्रकरण से एक गहरा और खतरनाक संकेत मिलता है। वह यह कि कुछ नेता देश की गंभीर परिस्थितियों को, चाहे वह आतंकवाद हो, साम्प्रदायिक हिंसा हो या कोई प्राकृतिक आपदा, एक मनोरंजन या वक्तव्यबाजी का अवसर मान बैठते हैं। वे न तो स्थिति की गंभीरता को समझते हैं, न ही पीड़ितों की मनोदशा को। उन्हें केवल अपने एजेंडे को आगे बढ़ाना है, चाहे वह सामाजिक विमर्श को भटकाना हो या मीडिया में चर्चा में बने रहना। रामचंद्र जांगड़ा जैसे नेता यदि राज्यसभा के सदस्य हैं और महत्वपूर्ण मामलों पर बहस का हिस्सा हैं, तो यह हमारी लोकतांत्रिक प्रणाली की एक विडंबना है। यह सोचने पर विवश करता है कि क्या ऐसे लोग सचमुच इस योग्य हैं कि वे जनता की आवाज़ बनें? या फिर वे केवल संसद की गरिमा को अपने बेलगाम बोलों से चोट पहुंचाने का काम कर रहे हैं?

ऐसे में यह ज़रूरी हो जाता है कि राजनीतिक दल भी अपने सदस्यों की भाषा, सोच और बयानों पर निगरानी रखें। केवल चुनाव जिताना ही किसी पार्टी का उद्देश्य नहीं होना चाहिए, बल्कि संवेदनशीलता, समझदारी और सामाजिक जिम्मेदारी को बढ़ावा देना भी उसका कर्तव्य होना चाहिए। यदि कोई नेता बार-बार इस तरह के विवादास्पद और अमानवीय वक्तव्य देता है, तो उस पर अनुशासनात्मक कार्रवाई आवश्यक होनी चाहिए। साथ ही, मीडिया की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। मीडिया को ऐसे बयानों को सनसनी की तरह परोसने के बजाय, उनकी गंभीर आलोचना करनी चाहिए और समाज में यह संदेश फैलाना चाहिए कि पीड़ितों के दुःख का उपहास किसी भी सूरत में स्वीकार्य नहीं है। साथ ही, समाज को भी सजग रहकर यह पहचानने की ज़रूरत है कि नेता का काम भाषण देना नहीं, बल्कि दुःख के समय जनता के साथ खड़ा रहना है।

अंततः यह सवाल बार-बार उठता है कि क्या बेलगाम बोल किसी नेता की पहचान का पर्याय बन गए हैं? क्या वे समाज में केवल विवाद खड़ा करके अपनी उपस्थिति दर्ज करवाना चाहते हैं? या फिर वे इस भ्रम में हैं कि संवेदनहीनता ही राजनीति का नया औजार बन गई है? इस प्रश्न का उत्तर हम सबको मिलकर देना होगा, एक सजग नागरिक के नाते, एक संवेदनशील समाज के हिस्से के रूप में।

संवेदनशीलता, सहानुभूति और मानवीयता, ये तीन मूल्य किसी भी राष्ट्र की आत्मा होते हैं। यदि हमारे जनप्रतिनिधि ही इन मूल्यों का अपमान करने लगें, तो यह केवल राजनीति का पतन नहीं, बल्कि सभ्यता के क्षरण की ओर संकेत है। अतः यह आवश्यक है कि समाज, मीडिया, और राजनीति, तीनों मिलकर ऐसी सोच और ऐसे वक्तव्यों का विरोध करें जो पीड़ितों को ही दोषी ठहराने की धृष्टता करते हैं। अब समय आ गया है जब जनता यह स्पष्ट कर दे कि उसे प्रतिनिधि चाहिए प्रवक्ता नहीं, संवेदना चाहिए, बयान नहीं और नेतृत्व चाहिए, उपहास नहीं। तभी हम एक संवेदनशील, उत्तरदायी और मानवीय लोकतंत्र की ओर अग्रसर हो सकेंगे।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

चीन ने मंगल ग्रह के निकट क्षुद्रग्रह से नमूने लाने के लिए अंतरिक्ष यान भेजा

ताइपे/एपी

चीन ने एक अंतरिक्ष यान प्रक्षेपित करने के साथ ही दावा किया है कि यह यान मंगल ग्रह के निकट स्थित क्षुद्रग्रह से नमूने लेकर आएगा और 'महत्वपूर्ण खोज' करेगा। यह ब्रह्मांड के बारे में मानवता के ज्ञान को व्यापक बनाएगा । चीन की अंतरिक्ष एजेंसी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। चीन की सरकारी अंतरिक्ष एजेंसी के अनुसार, तियानवेन-2 अंतरिक्ष यान को बृहस्पतिवार को सुबह दक्षिणी चीन से लॉन्ग मार्च 3-बी रॉकेट के जरिए प्रक्षेपित किया गया। यह यान मंगल ग्रह के करीब क्षुद्रग्रह 2016एचओ3 से नमूने एकत्र करेगा तथा मुख्य बेल्ट धूमकेतु 311पी का अन्वेषण भी करेगा। चीन की सरकारी अंतरिक्ष एजेंसी चाइना नेशनल स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन (सीएनएसए) के प्रमुख शान झोंगडे ने कहा कि तियानवेन-2 मिशन ''चीन की अंतरग्रहीय अन्वेषण की नई यात्रा में एक महत्वपूर्ण कदम है'' और करीब एक दशक लंबे इस मिशन से अभूतपूर्व खोजें होंगी तथा ब्रह्मांड के बारे में मानवता का ज्ञान बढ़ेगा।

क्षुद्रग्रह 2016एचओ3 से नमूने लगभग दो साल में वापस आने वाले हैं। अपेक्षाकृत स्थिर कक्षाओं के लिए चुने गए क्षुद्रग्रहों से उम्मीद है कि वे पृथ्वी के निर्माण के बारे में सुराग देंगे, जैसे कि पानी की उत्पत्ति।

डीएमके सांसद कनिमोझी करुणानिधि के नेतृत्व में ऑपरेशन सिंदूर ग्लोबल आउटरीच पर सर्वदलीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल एथेंस में भारतीय प्रवासियों के साथ बातचीत के दौरान बोलती हुई।

जाह्नवी कपूर ने 'परम सुंदरी' टीजर में बिखेरा जलवा

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री जाह्नवी कपूर ने अपनी आने वाली फिल्म 'परम सुंदरी' टीज़र में जलवा बिखेर दिया है। जाह्नवी कपूर एक बार फिर दर्शकों का दिल जीतने के लिए तैयार हैं, इस बार एक ऐसे अवतार में जिसे हमने पहले कभी नहीं देखा। उनकी आने वाली रोमांटिक कॉमेडी परम सुंदरी का टीज़र रिलीज़ हो गया है। यह फिल्म उनके करियर की पहली ऐसी फिल्म है जिसमें वह एक आधी मलयाली और आधी तमिल लड़की की भूमिका निभा रही हैं। परम सुंदरी की दुनिया में जाह्नवी पूरे आत्मविश्वास और आकर्षण के साथ कदम रखती हैं। केरल की हरियाली और तमिलनाडु की पारंपरिक सुंदरता को दर्शाते हुए उनके चटख रंगों वाले पारंपरिक परिधान उनकी सांस्कृतिक जड़ों की झलक दिखाते हैं,जो एक साथ जीवंत भी हैं और शालीन भी। सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ जाह्नवी कपूर की केमिस्ट्री की झलकें हों या उनकी भावपूर्ण और सहज अभिनय शैली। जाह्नवी यह साफ़ कर देती हैं कि वह अब अपने अभिनय के पूरे नियंत्रण में हैं। उनका स्वाभाविक आकर्षण, खूबसूरत विज़ुअल्स और रोमांस से भरी यह झलक, इस टीज़र को यादगार बना देती है। जैसे-जैसे परम सुंदरी अपनी रिलीज़ की ओर बढ़ रही है, जाह्नवी कपूर एक कलाकार के रूप में खुद को नए-नए रंगों में ढाल रही हैं। हर किरदार को वह ईमानदारी और जुनून के साथ निभा रही हैं।

फिल्म 'सैयारा' का टीजर

मुंबई/एजेन्सी

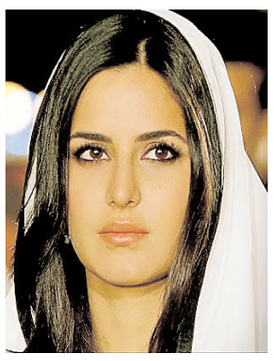

यशराज फिल्मस (वाईआरएफ) की आगामी फिल्म 'सैयारा' का टीजर 30 मई को रिलीज होगा। यशराज फिल्म्स अब एक नई प्रेम कहानी 'सैयारा' लेकर आ रही है,जिसका निर्देशन मोहित सूरी ने किया है। रोमांस शैली में माहिर माने जाने वाले मोहित सूरी और वाईआरएफ की यह रचनात्मक साझेदारी इस फिल्म को लेकर दर्शकों की उत्सुकता को और भी बढ़ा रही है। 'सैयारा' से अहान पांडे, बॉलीवुड में कदम रखने जा रहे हैं। उनके साथ अनीत पड्डा मुख्य भूमिका में नजर आएंगी, जिन्होंने हाल ही में चर्चित सीरीज़ बिग गर्ल्स डोंट क्राई में अपने अभिनय से दर्शकों का दिल जीत लिया था। इस फिल्म के निर्माता यशराज फिल्म्स के सीईओ अक्षय विधानी हैं। इस बहुप्रतीक्षित फिल्म का टीज़र 30 मई, शुक्रवार को रिलीज़ किया जाएगा, जिससे फिल्म का प्रचार अभियान औपचारिक रूप से शुरू होगा। यह फिल्म 18 जुलाई को दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी।

पूजा

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान अपनी पत्नी के साथ ओडिशा के पुरी में जगन्नाथ मंदिर में पूजा कर प्रार्थना की।

नेपाल में राजशाही समर्थकों के विरोध के बीच 18वां गणतंत्र दिवस मनाया गया

काठमांडू/भाषा

नेपाल में बृहस्पतिवार को 18वें गणतंत्र दिवस के दौरान दो प्रतिद्वंद्वी राजनीतिक समूहों ने 28 मई, 2008 को स्थापित संघीय लोकतांत्रिक गणराज्य प्रणाली के पक्ष और विपक्ष में प्रदर्शन आयोजित किए।

सत्तारूढ़ सीपीएन-यूएमएल और राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी (आरपीपी) के नेतृत्व वाले राजशाही समर्थक समूहों के बीच संभावित झड़पों को रोकने के लिए सरकार ने शहर के मध्य स्थित रत्नापार्क और भृकुटी मंडप क्षेत्रों में सैकड़ों पुलिसकर्मियों सहित लगभग 6,000 सुरक्षा कर्मियों को तैनात किया है। इस अवसर पर सीपीएन-यूएमएल द्वारा आयोजित गणतंत्र दिवस समारोह के लिए सांस्कृतिक झांकी के साथ पारंपरिक परिधान पहने लोग भृकुटी मंडप में एकत्र हुए।दूसरी ओर, आरपीपी के नेतृत्व में राजशाही समर्थकों ने पूर्व राजा ज्ञानेंद्र की तस्वीरों के बैनर लेकर एक रैली आयोजित की, जिसमें राजशाही बहाल करने, नेपाल को हिंदू राष्ट्र के रूप में स्थापित करने और गणतंत्र व्यवस्था को समाप्त करने की मांग की गई। आरपीपी अध्यक्ष राजेंद्र लिंगडेन और पशुपति शमशेर राणा, कमल थापा और प्रकाश चंद्र लोहानी सहित पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने प्रदर्शन में भाग लिया। यूएमएल द्वारा आयोजित सांस्कृतिक और जातीय रैली हजारों लोगों की भागीदारी के साथ दिन में करीब 11 बजे भृकुटी मंडप क्षेत्र से शुरू हुई, जो रत्नापार्क क्षेत्र में एक शांतिपूर्ण सार्वजनिक सभा के साथ समाप्त हुई। हालांकि, आरपीपी और अन्य राजशाही समर्थकों द्वारा आयोजित गणतंत्र व्यवस्था विरोधी प्रदर्शन दोपहर करीब दो बजे शुरू हुए और इसमें हजारों लोगों ने हिस्सा लिया। वे राजधानी के विभिन्न हिस्सों में घूमे और सरकार विरोधी नारे लगाए, हालांकि रैली शांतिपूर्ण रही।

इस बीच, देश भर में विभिन्न औपचारिक कार्यक्रमों का आयोजन कर 18वां गणतंत्र दिवस मनाया गया। इस अवसर पर राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल, प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली और अन्य वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों के साथ टुंडीखेल ओपन ग्राउंड स्थित आर्मी पैवेलियन में आयोजित एक विशेष समारोह में शामिल हुए। समारोह में काठमांडू घाटी के विभिन्न स्थानीय संस्थाओं द्वारा सांस्कृतिक नृत्य और संगीत प्रदर्शन प्रस्तुत किये गये। नेपाल में 29 मई को संघीय लोकतांत्रिक गणराज्य की ऐतिहासिक घोषणा हुई। विक्रम संवत 2065 के ज्येष्ठ मास की 15वीं तिथि (28 मई, 2008) को संसद की पहली बैठक में इसकी घोषणा की गई, जिसके साथ 240 साल पुरानी राजशाही समाप्त हो गई।

लांट

अभिनेत्री काजोल आगामी फिल्म 'माँ' के ट्रेलर लॉन्च पर तस्वीरों के लिए पोज देती हुईं।

इंडोनेशिया में राजनयिकों ने आतंकवाद के खिलाफ एकजुट वैश्विक प्रयासों के भारत के आह्वान का किया समर्थन

जकार्ता (इंडोनेशिया)/भाषा

इंडोनेशिया की नेशनल मैंडेट पार्टी (पीएएन) के नेताओं ने भारत के साथ एकजुटता प्रदर्शित करते हुए बृहस्पतिवार को भारतीय सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल से कहा कि ''आतंकवाद फैलाने के लिए धर्म और जाति को आधार नहीं बनाया जा सकता''। भारतीय सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल ने इंडोनेशिया में कम से कम 20 मित्र देशों के स्थानीय राजदूतों से मुलाकात की। मित्र देशों के राजनयिकों ने सभी रूपों में आतंकवाद की कड़ी निंदा की और इस खतरे का मुकाबला करने के लिए एकजुट वैश्विक प्रयासों की तत्काल आवश्यकता को दोहराया।

जनता दल (यू) के सांसद संजय कुमार झा के नेतृत्व में सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल, आतंकवाद के खिलाफ भारत की लड़ाई के बारे में नई दिल्ली के स्पष्ट रुख से स्थानीय नेताओं और राजनयिकों, थिंक टैंक और मीडिया को अवगत कराने के मिशन के साथ यहां आया है।

प्रतिनिधिमंडल ने नेशनल मैंडेट पार्टी (पीएएन) के नेताओं से मुलाकात की। इन नेताओं में पीएएन के उपाध्यक्ष एवं इंडोनेशियाई पीपुल्स असेंबली के उपाध्यक्ष एडी सोपनों, पार्टी के उपाध्यक्ष एवं ट्रांसमाइग्रेशन रिपब्लिक ऑफ इंडोनेशिया के उपमंत्री विवा योग मौलादी और पीएएन के अन्य नेता और सांसद शामिल थे।

जकार्ता में भारतीय दूतावास ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''भारतीय सांसदों ने आतंकवाद को बिल्कुल बर्दाश्त नहीं करने के भारत के रुख पर विचार साझा किए।'' पोस्ट में यह भी कहा गया, ''पीएएन पार्टी नेतृत्व ने भारत के पहलगाम में हुए भीषण आतंकवादी हमले के पीड़ितों के प्रति संवेदना व्यक्त की। पीएएन नेताओं ने बताया कि वे भारत के साथ एकजुट खड़े हैं। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि आतंकवाद फैलाने के लिए धर्म और जाति को आधार नहीं बनाया जा सकता।''

बैठक में पीएएन से शामिल होने वाले सांसदों में डेसी रत्नसारी, फराह पुत्री नाहलिया, ओक्टा कुमाला देवी, डॉ. ड्राजाद विबोवो, स्लैमेट अरियादी और ए. बाकरी भी शामिल थे। प्रतिनिधिमंडल ने इंडोनेशिया में कम से कम 20 मित्र देशों के स्थानीय राजनयिकों के साथ भी बातचीत की और ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से भारत की संतुलित और मजबूत जवाबी कार्रवाई पर अपने विचार साझा किए।

झा ने इस बातचीत को 'महत्वपूर्ण संवाद' करार देते हुए बैठक के बाद 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि राजदूतों ने ''आतंकवाद के सभी रूपों की कड़ी निंदा की, इस खतरे का मुकाबला करने और क्षेत्रीय शांति और अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा को बनाए रखने के लिए एकजुट वैश्विक प्रयासों की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया।''

भारतीय दूतावास ने कहा कि प्रतिनिधिमंडल ने आतंकवाद के अपराधियों को न्याय के कटघरे में लाने के लिए राजनयिक समुदाय से समर्थन का आग्रह किया और 25 अप्रैल 2025 के संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के वक्तव्य को याद दिलाया, जिसमें आतंकवाद और उसके प्रायोजकों के खिलाफ ठोस राजनयिक कार्रवाई की आवश्यकता पर जोर दिया गया है। भारतीय दल ने इंडोनेशिया स्थित थिंक टैंक और शिक्षाविदों, और शोधकर्ताओं के साथ एक व्यावहारिक बातचीत भी की तथा शांति एवं क्षेत्रीय स्थिरता बनाए रखने के लिए सीमा पार आतंकवाद को बिल्कुल बर्दाश्त नहीं करने का एक मजबूत और एकीकृत संदेश दिया।

श्रीवल्ली अब मेरी दूसरी पहचान बन चुकी है : रश्मिका मंदाना

मुंबई/एजेन्सी

दक्षिण भारतीय फिल्मों की जानीमानी अभिनेत्री रश्मिका मंदाना का कहना है कि पुष्पा फ्रेंचाइज़ी में उनका निभाया किरदार 'श्रीवल्ली' अब उनकी दूसरी पहचान बन चुकी है। ब्लॉकबस्टर फिल्म 'पुष्पा 2: द रूल' का वर्ल्ड टेलीविज़न प्रीमियर ज़ी सिनेमा पर, शनिवार 31 मई को शाम 7:30 बजे हो रहा है। इस फिल्म में अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना ने अहम भूमिका निभायी है। रश्मिका मंदाना ने कहा, सच कहूं तो मुझे लगता है लोग पहले ही मुझे श्रीवल्ली कहने लगे हैं। और मैं पहले भी अपनी टीम से इस बारे में बात कर चुकी हूं... मुझे ऐसा लगता है कि श्रीवल्ली अब मेरी दूसरी पहचान बन चुकी है, और इससे मैं बहुत खुश हूं, और बहुत गर्व महसूस करती हूं। क्योंकि एक कलाकार के लिए सबसे बड़ी बात यही होती है कि लोग उसके काम को पहचानें। और मेरे लिए, यह सबसे बड़ी तारीफ है जो एक कलाकार को मिल सकती है। आज जब लोग मुझे श्रीवल्ली कहकर बुलाते हैं, तो मुझे सच में बहुत खुशी होती है। रश्मिका मंदाना ने कहा,श्रीवल्ली जैसा किरदार निभाना मेरे लिए एक बेहद मुकम्मल अनुभव रहा, क्योंकि ये किरदार अंदर से मजबूत और भावनात्मक रूप से बहुत गहरा है। 'पुष्पा 2' में उसका सफर काफी बदल गया है। वो अब सिर्फ एक सपोर्टिव पत्नी नहीं है, बल्कि जब ज़रूरत पड़ने पर आवाज उठाने से भी पीछे नहीं हटती। एक अहम सीन है, जिसमें वो पुष्पा के लिए खड़ी होती है, और ये सिर्फ उनके रिश्ते की बात नहीं है, बल्कि उसकी अपनी सोच और हिम्मत की भी बात है। वो पल दिखाता है कि वो कितनी आगे बढ़ चुकी है। और एक एक्टर के तौर पर, उस बदलाव को निभाना मेरे लिए बहुत रिलेटेबल और संतोषजनक रहा। रश्मिका ने बताया,अल्लू अर्जुन सर के साथ काम करना एक शानदार सीखने वाला अनुभव रहा। वह सेट पर इतनी एनर्जी और कमिटमेंट लेकर आते हैं, जो वाकई बहुत इंस्पायर करता है। उनके किरदार में जो डीटेलिंग और गहराई होती है, उसे देखकर मैंने बहुत कुछ सीखा। उनका पैशन मुझे भी मोटिवेट करता था कि मैं भी एक परफॉर्मर के तौर पर अपना बेस्ट दूं।

'सालार : पार्ट 1 - सीजफायर' सभी ओटीटी प्लेटफॉर्म पर सबसे ज्यादा देखी जाने वाली फिल्म बनीं

मुंबई/एजेन्सी

नीलसन चार्ट्स में, सालार: पार्ट 1 – सीजफायर ने नेटफ्लिक्स की तमिल भाषा की कॉमेडी-ड्रामा 'ड्रैगन' के साथ चार्ट में शीर्ष स्थान हासिल किया है। नीलसन चार्ट्स अग्रणी शोध एजेंसियों में से एक है जो टेलीविजन, रेडियो, थिएटर, फिल्म और समाचार पत्रों में मीडिया दर्शकों को मापती है। इसका मुख्यालय न्यूयॉर्क शहर में है और यह नीलसन रेटिंग के लिए सर्वाधिक जाना जाता है। इस बार, उन्होंने सभी ओटीटी प्लेटफार्मों पर सबसे ज्यादा देखी जाने वाली फिल्म पर शोध किया है और सालार: भाग 1 – सीजफायर ने सूची में शीर्ष स्थान हासिल किया है। सालार: भाग 1 – सीजफायर, जिसका निर्देशन ब्लॉकबस्टर दूरदर्शी प्रशांत नील ने किया है और अखिल भारतीय सुपरस्टार प्रभास ने इसमें मुख्य भूमिका निभाई है। खचाखच भरे सिनेमाघरों से लेकर धमाकेदार बॉक्स ऑफिस कलेक्शन तक, सालार ने सबसे बड़ी अखिल भारतीय रिलीज के रूप में लगातार नए रिकॉर्ड स्थापित किए हैं। अब, अपने रिकॉर्ड तोड़ने के सिलसिले को जारी रखते हुए, नीलसन की नवीनतम मोबाइल ऑडियंस मापन रिपोर्ट के अनुसार, सालार मार्च 2025 तक भारत में मोबाइल स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म पर सबसे ज्यादा देखी जाने वाली फिल्म बन गई है।

होम्बेल फिल्म्स ने एक बार फिर जन मनोरंजन को नई परिभाषा दी है। जियो हॉटस्टार पर स्ट्रीमिंग हो रही सालार: पार्ट 1 सीजफायर ने न केवल बॉक्स ऑफिस के रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं, बल्कि डिजिटल स्पेस पर भी कब्जा कर लिया है। नीलसन के मोबाइल ऑडियंस मेजरमेंट चार्ट में शीर्ष पर रही यह फिल्म बहुभाषी ब्लॉकबस्टर की बढ़ती मांग को रेखांकित करती है। प्रमुख प्लेटफार्मों पर भारी दर्शकों के साथ, सालार भारतीय दर्शकों के बदलते स्वाद को दर्शाता है। इसने पहले अपनी रिलीज़ के एक साल बाद तक ओटीटी पर टॉप 10 पर ट्रेंड करने का रिकॉर्ड बनाया था, जिससे इसकी अजेय लोकप्रियता साबित हुई। होम्बले फिल्म्स ने एक बार फिर एक ऐतिहासिक प्रोडक्शन पेश किया है, जिसने भारतीय सिनेमा को फिर से परिभाषित किया है और सभी भाषाओं और क्षेत्रों के लोगों का दिल जीत लिया है। सालार: भाग 1 – सीजफायर, जिसमें प्रभास, श्रुति हासन और पृथ्वीराज सुकुमारन ने दमदार भूमिकाएँ निभाई हैं, ने अपनी मनोरंजक कथा और उच्च-ऑक्टेन एक्शन से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। फिल्म की भारी सफलता ने इसके सीक्वल, सालार: भाग 2 – शौर्यंगा पर्वम के लिए उम्मीदों को बढ़ा दिया है, जिससे यह भारतीय सिनेमा की सबसे प्रतीक्षित फिल्मों में से एक बन गई है। प्रशंसक इस महाकाव्य गाथा के अगले धमाकेदार अध्याय को लाने के लिए होम्बले फिल्म्स का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

'मैं अंतरात्मा की आवाज सुनती हूं': दीपिका पादुकोण

मुंबई/एजेन्सी

फिल्म निर्माता संदीप रेड्डी वांगा के साथ 'स्पिरिट' को लेकर चल रहे विवाद के बीच बॉलीवुड स्टार दीपिका पादुकोण ने कहा कि जब भी वह किसी मुश्किल या उलझन भरी स्थिति में होती हैं, तो वह अपने अंतरात्मा की आवाज सुनती हैं और उसी के अनुसार फैसला करती हैं। स्वीडन की राजधानी स्टॉकहोम में आयोजित एक इवेंट से दीपिका ने अपनी कुछ तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की। इन तस्वीरों में वह रेड कलर के फ्लोर स्वीपिंग गाउन में नजर आ रही हैं, जिसमें वह बेहद शानदार लग रही थीं। उन्होंने इन तस्वीरों को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, 'हेज फ्रॉम स्टॉकहोम!' यानी 'स्टॉकहोम से हेलो!' हाल ही में दीपिका ने अमेरिकी फैशन पत्रिका वोग अरबिया से खास बातचीत की, जिसका वीडियो वोग ने अपने इंस्टाग्राम पर शेयर किया। इस वीडियो में दीपिका ने इवेंट के बारे में बात की और यह भी बताया कि वह अपनी जिंदगी में खुद को कैसे संतुलित रखती हैं।

वीडियो में दीपिका ने कहा, मुझे लगता है कि जो चीज मुझे संतुलित रखती है, वो है सच बोलना और खुद के प्रति सच्चा रहना। जब मैं किसी मुश्किल या उलझन वाली स्थिति में होती हूं, तो मैं अपनी अंतरात्मा की आवाज सुनती हूं। फिर जो फैसला मुझे अंदर से शांति देता है, मैं वही फैसला लेती हूं और उस पर डटी रहती हूं।

जब मैं ऐसा करती हूं, तभी मुझे लगता है कि मेरी जिंदगी संतुलन में है। एक्ट्रेस ने बताया कि उन्होंने प्रेग्नेंसी के दौरान एक कैंपेन की शूटिंग की थी। उन्होंने कहा, मेरी प्रेग्नेंसी के दौरान और कुछ महीने पहले जब मैं नई मां बनी थी, उस दौरान जिस तरह टीम ने मेरा ख्याल रखा, यही मेरी सबसे प्यारी याद है। यह एक ऐसा अनुभव है जिसे मैं हमेशा संजोकर रखूंगी। 27 मई को फिल्म निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा ने एक पोस्ट शेयर किया था। इस पोस्ट में उन्होंने अपनी आने वाली फिल्म 'स्पिरिट' की कहानी लीक होने पर नाराजगी जताई थी और सवाल उठाया कि क्या यही है उनका नारीवाद? हालांकि संदीप रेड्डी वांगा ने अपनी पोस्ट में किसी एक्टर का नाम नहीं लिया, लेकिन उनके शब्दों और सोशल मीडिया पर लोगों की प्रतिक्रियाओं से ये साफ है कि ये पोस्ट दीपिका पादुकोण के लिए थी। क्योंकि हाल ही में उन्होंने अपनी इस फिल्म के लिए दीपिका को तृप्ति डिमरी से रिप्लेस किया था।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com

चेन्नई | शुक्रवार | 30-05-2025 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

उन्माद में व्यक्ति विवेक शून्य होकर बड़े से बड़ा अनर्थ करने में गर्व महसूस करता है यह सबसे बड़ा पाप है। धर्मात्मा पर जब उन्माद का भूत सवार होता है तो वह शैतान और राक्षस के बराबर हो जाता है। उन्होंने कहा कि धार्मिक उन्माद अत्यंत खतरनाक है और आतंकवाद का निर्माता है। धार्मिक उन्माद में अंधा बना हुआ व्यक्ति अपने और पराए का ध्यान नहीं रखता। उसके लिए अंधेरा और प्रकाश एक समान हो जाता है। धर्म प्रकाश स्वरूप है जबकि धार्मिक उन्माद तम स्वरूप है। दोनों एक साथ नहीं रह सकते।

अम्बे माताजी मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का हुआ शुभारंभ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मदुरै। यहां मदुराई राजस्थानी सेवा समाज ट्रस्ट द्वारा श्री अम्बे माताजी मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा का तीन दिवसीय कार्यक्रम का शुभारंभ जलयात्रा व पूजन वैदिक मंत्रोच्चार से किया गया। प्रवासी राजस्थानी प्रवक्ता दिनेश सालेचा ने बताया कि कार्यक्रम के अनुसार सुबह में मंदिर प्रांगण में प्रायश्चित, संकल्प विधिविधान कर जलयात्रा का शुभारंभ किया गया जिसमें आगे अखण्ड ज्योत , शहर की कन्या के सिर पर कलश धारण किए। रथ पर देवी देवताओं की मूर्ति लिए लाभार्थी परिवार, विशेष रथों पर संत महात्मा विराजमान हुए सहित बैंड बाजे व ढ़ोल नगाड़े के साथ नृत्य करते युवावर्ग, पारंपरिक राजस्थानी वेश भूषा धारण किए पुरुष व महिलाएं बच्चों के साथ अम्बे माँ के जयकारे जयघोष लगाते हुए शोभायात्रा में चल रहे थे।

जलयात्रा शहर के चारों मासी स्ट्रीट होते हुए मन्दिर प्रांगण में आकर सम्पन्न हुई बीच रास्ते मे शहर के लोगों ने फूलों से यात्रा का स्वागत किया साथ ही पंचांग पूजन व मंडप प्रवेश करवाया देव आवाहन पूजा, मूर्ति जलाधिवास, धान्याधि वास हुए कल 30 मई को देव पूजन, अग्निस्थापन, हवन, मूर्ति विभिन्न अधिवास, स्नपन देवनगर भमण, शय्याधिवास, अगले अंतिम दिन 31 मई को देव पूजन, हवन, न्यास मूर्ति प्राणप्रतिष्ठा कर मंदिर शिखर पर लाभार्थी परिवार की ओर से बैंड-बाजे के साथ ध्वजा व कलश स्थापित किया जाएगा।

संत महात्माओं ब्राह्मण भेंट पूजा सम्मान, अतिथियों का सम्मान सत्कार किया जाएगा। महाप्रसादी मदुरै राजस्थानी सेवा समाज ट्रस्ट की ओर से आयोजित जाएगी।

ज्ञानशाला संस्कारों की जननी होती है : मुनिश्री पुलकितकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। डॉ मुनिश्री पुलकितकुमारजी व आदित्यकुमारजी के सान्निध्य में त्यागराजनगर ज्ञानशाला का शुभारंभ हुआ। दो माह के स्कूली अवकाश प्रारंभ ज्ञानशाला को संबोधित करते हुए मुनिश्री ने कहा कि ज्ञानशाला में बच्चों और माता-पिताओं का उत्साह दिखना चाहिए क्योंकि ज्ञानशाला संस्कारों की जननी होती है। बच्चे जिस ढांचे में ढाले जाते हैं वे उसमें ढल जाते हैं। मुनिश्री ने भिक्षु जन्म त्रिशताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित होने वाले ओम भिक्षु के सवा लाख जाप' की प्रेरणा दी। इस अवसर पर अभातेयुप से गौतम खाब्या, तेयुप हनुमंतनगर के अध्यक्ष कमलेश झाबक सहित त्यागराजनगर ज्ञानशाला संयोजिका पवन संचेती, ज्ञानशाला प्रशिक्षिका लाजवंती कातरेला अंजू गादिया, कांता धोका आदि उपस्थित थे।

जैविक खेती के लिए ज्ञापन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। भारत में टिकाऊ कृषि की रूपरेखा को फिर से परिभाषित करने वाले एक ऐतिहासिक कदम के तहत, इंडियन ओवरसीज बैंक ने भारत की सबसे बड़ी डेयरी सहकारी संस्था अमूल और अमूल के जैविक खेती भागीदार रिचप्लस के साथ त्रिपक्षीय समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। गुरुवार को चेन्नई स्थित बैंक के मुख्यालय में इस समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर औपचारिक रूप से इंडियन ओवरसीज बैंक की महाप्रबंधक विजया एन; अमूल डेयरी के प्रबंध निदेशक अमित व्यास; और रिचप्लस के प्रबंध निदेशक अशोक सरंगन ने इंडियन ओवरसीज बैंक के प्रबंध निदेशक और सीईओ अजय कुमार श्रीवास्तव की गरिमामयी उपस्थिति में हस्ताक्षर किए। सार्वजनिक क्षेत्र के किसी प्रमुख बैंक और जैविक खेती के नेताओं के बीच इस तरह के पहले सहयोग का उद्देश्य पूरे भारत में किसानों को परिवर्तनकारी लाभ पहुंचाना है, खासकर तमिलनाडु में, जहां जैविक खेती लगातार लोकप्रिय हो रही है।

कष्टों की अग्नि में तपे बिना इंसान कभी महान नहीं बन सकता : आचार्यश्री देवेन्द्रसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। शहर के आदिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में आदेश्वर वाटिका में विराजित आचार्यश्री देवेंद्रसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि जिस प्रकार अग्नि में तपे बिना सोना निखरता नहीं है, अग्नि में तपे बिना घड़ा मजबूत नहीं होता, उसी प्रकार कष्टों की अग्नि में तपे बिना इंसान महान नहीं बन सकता। वेदना में वंदना, व्याधि में समाधि, पीड़ा में प्रभु, प्रार्थना हो तो दुख भी वरदान सिद्ध होता है। दुख की तीन उपलब्धि है, दुख हमें सावधान व सचेत रखता है, जिस रास्ते में दुख जाए, उस रास्ते पर जाने से रोकता है, दुख हमें समाधान देता है। दुख हमारे कर्म के संचय को रिक्त करने के लिए जाता है।

दुख हमें संविधान का स्मरण कराता है,पर दुख मेरे ही कर्मों की फलभुति है। इस अवसर पर सुमतिनाथ संघ के ट्रस्टी विमल भेसवाड़ा, पार्श्व पद्मावती ट्रस्ट के अध्यक्ष दलीचंद श्रीश्री माल, महावीर भंसाली आदि मौजूद रहे।

कर्नाटक के राज्यपाल को श्रीराम कथा में शामिल होने का दिया आमंत्रण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय श्रीराम परिवार दुर्गा पूजा समिति के तत्वावधान में शहर में पहली बार, पद्मविभूषण एवं ज्ञानपीठ से सम्मानित श्री तुलसी पीठाधीश्वर जगदगुरु श्री रामभद्राचार्यजी द्वारा श्रीराम कथा का आयोजन 9 जून से पैलेस ग्राउंड के प्रिंसेज श्राइन सभागार में होने जा रहा है। श्रीराम कथा की निमंत्रण समिति के पांच सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत से भेंट की और उन्हें कथा में शामिल होने का निवेदन किया। राज्यपाल ने 9 जून को आने का आश्वासन दिया। इस प्रतिनिधिमंडल में संस्था के अध्यक्ष मिथिलेश तिवारी, सचिव अजय प्रकाश पाण्डेय, सहयोगी संस्था एकलश्री हरि वनवासी फाउंडेशन के अध्यक्ष सुरेश मोदी, सचिव संजय अग्रवाल सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।

जीतो प्रतिनिधिमंडल ने वियतनाम के भारतीय दूतावास का किया दौरा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जीतो बेंगलूरु नॉर्थ चैप्टर के पदाधिकारियों और सदस्यों के एक प्रतिनिधिमंडल ने वियतनाम यात्रा के दौरान हनोई स्थित भारतीय दूतावास का विशेष दौरा किया और भारत की डिप्टी चीफ ऑफ मिशन (द्वितीय प्रमुख अधिकारी) ताको अजुंगला जमीर से मुलाकात की।

इस बैठक के दौरान भारत और वियतनाम के बीच व्यापारिक सहयोग, निवेश की संभावनाएँ तथा द्विपक्षीय संबंधों को और अधिक सशक्त बनाने के विषय में विस्तृत चर्चा हुई। इस मुलाकात में जीतो नॉर्थ के अध्यक्ष विमल कटारिया, महामंत्री विजय सिंघवी, भरत चोपड़ा, उपचेयरमैन कमल पुनमिया, लेडीज विंग की उपचेयरपर्सन सुमन सिंघवी, महेन्द्र चौहान और रूपचंद जैन आदि प्रमुख सदस्य उपस्थित थे।

श्रृंगार परिवार टी 20 क्रिकेट छठे संस्करण का हुआ आगाज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। श्रृंगार परिवार द्वारा 'यूनिकैम सिस्टमस वी आर क्राफ्ट' टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट के छठें संस्करण के लिए खिलाड़ियों की नीलामी के साथ प्रायोजकों तथा टीम मालिकों के सम्मान हेतु एक रंगारंग भव्य कार्यक्रम बुधवार आयोजित किया गया। श्रृंगार परिवार अध्यक्ष हरीश भंडारी के स्वागत स्वर के साथ 6 टीमों के लिए कुल 96 खिलाड़ियों की नीलामी बोली लगाई गई। उच्च श्रेणी प्राप्त खिलाड़ियों की बोली को लेकर टीम मालिकों में भारी उत्साह व प्रतिस्पर्धा देखी गयी। नीलामी प्रक्रिया का बेहतरीन संचालन भावना जैन ने किया। कार्यक्रम में श्रृंगार परिवार के पुरुष सदस्य विशेष रूप से उपस्थित थे।

कार्यक्रम के अंतिम चरण में टूर्नामेंट की ट्रॉफी का अनावरण भी किया गया। खिलाड़ियों में पंजीकरण के प्रति जबरदस्त उत्साह देखा गया। भारी मांग के बावजूद टूर्नामेंट के लिए कुल 107 खिलाड़ियों के ही पंजीकरण स्वीकृत किये गए, जिनमें से 96 खिलाड़ियों को 6 टीमों में स्थान मिल सका। टूर्नामेंट निर्देशक संजय भंसाली से प्राप्त जानकारी के अनुसार डेढ़ महीने के अंतराल में खेले जाने वाले इस टूर्नामेंट के मैच सर मुथा और एएम जैन कॉलेज, मीनाबाक्कम के मैदान पर खेले जाएंगे। टूर्नामेंट के प्रायोजक तनसुखलाल मनोज नाहर एवं सहप्रायोजक विजयराज भरत कटारिया हैं। टूर्नामेंट संयोजक संजय भंसाली एवं कुशल बाँठिया हैं। धन्यवाद ज्ञापन मंत्री कमल आच्छा ने दिया।

सभी धर्म बुराइयों का विरोध करते हैं : राष्ट्रसंतश्री कमलमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

होरीपक्कम। चेन्नई की ओर चातुर्मास करने हेतु विहार करके जाते हुए राष्ट्रसंतश्री कमलमुनिजी कमलेश होरीपक्कम स्थित मठ मंदिर पहुंचे और मठ के स्वामी ज्ञानी सत्येंद्रजी से मुलाकात की। इस मौके पर अपने प्रवचन में कमलेशमुनिजी ने कहा कि बुराई के लिए बुरे लोग जितने दोषी हैं उससे ज्यादा सज्जन लोग दोषी हैं।

अच्छे लोग बुराइयों को देखकर आंखें मूंद कर मौन हो जाते हैं, उससे बुरे लोगों के हौसले बुलंद करने का पाप कमाते हैं। उन्होंने कहा कि आज भी अच्छे लोग भारी संख्या में है लेकिन निष्क्रिय और बिखरे हुए हैं। बुरे लोग मुट्ठी भर होने के बावजूद भी संगठित, सक्रिय और प्रशिक्षित हैं। यदि अच्छे लोग संगठित होकर कठोर कदम नहीं उठाएंगे तो उनका अस्तित्व भी खतरे में पड़ सकता है। मुनिश्री कमलेशजी ने कहा कि सभी धर्म बुराइयों का विरोध करते हैं। आज की देश की परिस्थितियों का जिक्र करते हुए संतश्री ने कहा कि परस्पर विरोधी विचारधारा वाले राजनीतिक दल जब कश्मीर को लेकर एक साथ चट्टान की भांति खड़े हो सकते हैं तो हम सब को भी मिलकर बुराइयों को मिटाने के लिए एक साथ होना चाहिए। अच्छे और बुरे लोगों का कोई जाति और धर्म नहीं होता है। मठ के स्वामी ज्ञानी सत्येंद्रजी ने राष्ट्रसंत के क्रांतिकारी विचारों का अभिनंदन करते कहा कि समय की मांग है मतभेदों को भूलकर मानवता को बचाने के लिए एक मंच पर संगठित होना होगा सभी धर्म और देश बचेगा।

पुरस्कार — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

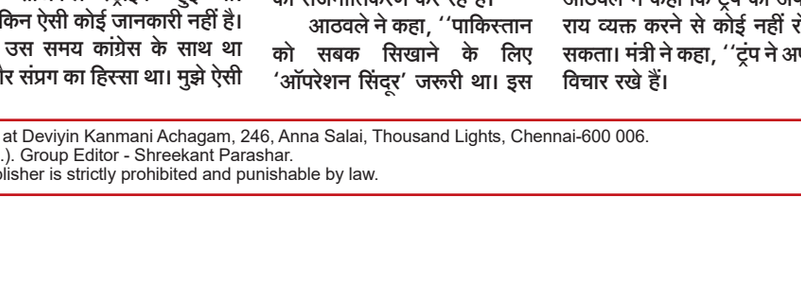

बेंगलूरु के एमईएस महाविद्यालय राजाजीनगर द्वारा आयोजित सांस्कृतिक उत्सव कन्नड़ नूडी हब्बा कार्यक्रम के समापन समारोह में विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत करते हुए मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत, महाविद्यालय की प्राचार्य शारदा, कन्नड़ विभाग प्रमुख ब्रजेश्वरी एवं अन्य।

सम्मान — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण पश्चिम रेलवे के रेल मंडल प्रबंधक मुदित कुमार मितल ने मैसूरु के आदेश्वर वाटिका में विराजित आचार्यश्री देवेन्द्रसागरसूरीश्वरजी के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। गुरुदेव ने मित्तल को सामाजिक एवं प्रशासनिक उत्कृष्ट कार्यों का आशीर्वाद प्रदान किया। इस अवसर पर आदिनाथ जैन संघ मैसूर के अध्यक्ष रमेशकुमार श्रीश्रीमाल, सचिव गौतम सालेचा, चेनराज जैन, प्रकाश जैन, किरण जैन व कांतिलाल पटवारी ने मुदित कुमार मित्तल का सम्मान किया।

मुझे संप्रग सरकार के तहत कोई 'सर्जिकल स्ट्राइक' होने की जानकारी नहीं है : आठवले

मुंबई/भाषा। केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले ने बृहस्पतिवार को कहा कि उन्हें मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार के दौरान की गई किसी भी 'सर्जिकल स्ट्राइक' की जानकारी नहीं है और इस बारे में कोई सूचना उपलब्ध नहीं है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान को सबक सिखाने के लिए 'ऑपरेशन सिंदूर' जरूरी था। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान को आतंकवादियों का समर्थन करना बंद कर देना चाहिए और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) को भारत को वापस सौंप देना चाहिए।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) का हिस्सा बनने से पहले, आठवले की रिपब्लिक पार्टी ऑफ इंडिया (आठवले) कांग्रेस नीत संप्रग का घटक दल थी। 'ऑपरेशन सिंदूर' का जिक्र करते हुए आठवले ने कहा, ''इससे पहले नरेन्द्र मोदी सरकार के दौरान ही एक और 'सर्जिकल स्ट्राइक' की गई थी। कांग्रेस के नेता कह सकते हैं कि मनमोहन सिंह के कार्यकाल

में 'सर्जिकल स्ट्राइक' हुई थी। लेकिन ऐसी कोई जानकारी नहीं है। मैं उस समय कांग्रेस के साथ था और संप्रग का हिस्सा था। मुझे ऐसी किसी 'सर्जिकल स्ट्राइक' के बारे में कोई जानकारी नहीं है।''

सामाजिक न्याय राज्य मंत्री ने कहा, ''पूरी दुनिया जानती है कि 'ऑपरेशन सिंदूर' जैसी कार्रवाई जरूरी थी। आतंकवादी पाकिस्तान से आए और कश्मीर के पहलगाम में हमारे निर्दोष लोगों को मार डाला।'' उन्होंने इन आरोपों को खारिज कर दिया कि प्रधानमंत्री मोदी इस मुद्दे का राजनीतिकरण कर रहे हैं।

आठवले ने कहा, ''पाकिस्तान को सबक सिखाने के लिए 'ऑपरेशन सिंदूर' जरूरी था। इस मुद्दे का राजनीतिकरण करने की कोई जरूरत नहीं है। प्रधानमंत्री मोदी इसका राजनीतिकरण नहीं कर रहे हैं।''

भारत और पाकिस्तान के बीच 'संघर्ष विराम' प्रयासों का श्रेय अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लिये जाने पर भाजपा की चुप्पी को लेकर कांग्रेस नेता जयराम रमेश की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए आठवले ने कहा कि ट्रंप को अपनी राय व्यक्त करने से कोई नहीं रोक सकता। मंत्री ने कहा, ''ट्रंप ने अपने विचार रखे हैं।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Aditya at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.

Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.